

झारखंड गजट

असाधारण अंक

झारखंड सरकार वारा काशत

सं# या-504 राँची, गु-वार,

29 आषाढ़, 1938 (श०)

20 जुलाई, 2017(ई०)

वध (वधान) वभाग

अधिसूचना

4 जुलाई, 2017

संया-एल०जी०-02/2017-69/लेज०—झारखंड 4वधान मंडल का 6न7नल8खत अधिनियम पर रा;यपाल <दनांक 12जून, 2017 को अनुम6त दे चुक@ है, इसके वारा सवDसाधारण क@ सूचना के लए काशत Fकया जाता है ।

सरला बरला वववयालय अधिनियम, 2017

(झारखंड अधिनियम सं#या- 13, 2017)

%&तावना

झारखंड रा;य मH **सरला बरला** 4वाव4वयालय क@ Jथापना एवं समावेश के लए और उससे स7बO एक 6नजी 4वाव4वयालय के आनुषंगिक मामलP क@ िथ6त दान करने हेतु एक अधिनियम;

2

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

जबFक यह समयो1चत है Fक पिचम बंगाल से सृजित एवं पंजीकृत भारत आरोSय एवं Tान मं<दर, Uबरला कV पस, Wाम-आरा, पो०-म<हलXग, राँची पुZलया रोड, राँची-835103([Jट/सोसायट]) पिचम बंगाल सोसायट] रिजJेशन ए^ट, 1961 (पंजीयन सं#या-एस/19480 <दनांक 29 मई, 1990) वारा ायोजित सरला Uबरला 4वाव4वयालय, राँची, झारखंड क@ Jथापना तथा समावेशन और उसके अनुZप 6नजी 4वाव4वयालय का दजाD दान करने हेतु और उससे संबO आनुषंगिक मामलP के संदभD मH आवायक है ।

एत'वारा भारतीय गणरा;य के अड़सठवे वषD मH झारखंड 4वधान-सभा वारा 6न7नल8खत Zप मH अधिनियमत Fकया जाता है :-

%ारं(भक

1. सं+,-त नाम, व&तार एवं %ारंभ:-

- 1) यह 4वधेयक "सरला बरला 4वाव4वयालय अधिनियम, 2017" कहा जाएगा ।
- 2) इसका 4वJतार स7पूणD झारखंड रा;य मH होगा ।
- 3) यह उस 6त1थ से वृत होगा जैसा Fक रा;य सरकार वारा शासक@य राजपd मH अधिसूचना जार] कर 6नयत Fकया जाय ।

2. प0रभाषा:-

अगर इस अधिनियम के संदभD मH अेयथा अपेFुत/आवायक हो:

- a) 'अकादमक परिष' का अथD है 4वाव4वयालय क@ अकादमक परिष जैसा Fक अ1ध6नयम क@ धारा-24 मH व8णDत है;
- b) 'वा4षDक 6तवेदन' का आशय है 4वाव4वयालय का वा4षDक 6तवेदन जैसा अध6नयम क@ धारा- 39 मH संदभDत है;
- c) 'बंधन' बोडD' का अथD है, इस अ1ध6नयम क@ धारा-23 के तहत ग<ठत 4वाव4वयालय का बंधन बोडD;
- d) 'परिसर' का आशय है 4वाव4वयालय का ुेतफल जहाँ यह अविजथत है;
- e) 'कुला1धप6त' से आशय है 4वाव4वयालय के कुला1धप6त, जो इस अ1ध6नयम क@ धारा-12 के अधीन 6नयु^त हP;
- f) 'मु#य 4वकत एवं लेखा पदा1धकार]' का अथD है 4वाव4वयालय के मु#य 4वकत एवं लेखा पदा1धकार] जो अ1ध6नयम क@ धारा-18 के अधीन 6नयु^त हP;

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 3

- g) 'पर]ग्रा 6नयंतक' का अथD है 4वाव4वयालय के पर]ग्रा 6नयंतक, िजनक@ 6नयु^ित अ1ध6नयम क@ धारा-19 के अधीन हुई हो;
- h) 'अंगीभूत महा4वयालय' से आशय है वैसे महा4वयालय अथवा संजथान जो 4वाव4वयालय वारा संपो4षत हP;
- i) 'कमDचार]' से आशय है 4वाव4वयालय वारा 6नयु^त कमDचार]; इसके अेतगDत 4वाव4वयालय एवं अंगीभूत महा4वयालय के शुक एवं अेत कमDचार] भी समा<हत हV;
- j) 'जथायी 6न1ध' का अथD है 4वाव4वयालय क@ जथायी 6न1ध िजसक@ जथापना अ1ध6नयम क@ धारा-37 के तहत हुई हो;
- k) 'संकाय' से आशय है समान अनुशासनP के अकादमक 4वभाग;
- l) 'शुनक' का आशय है 4वाव4वयालय वारा 4वया1थDयP से उगाह] गयी राश, जो Fकसी पाoyपम तथा उससे संबंधित हो;
- m) 'सामाेत 6न1ध' से आशय है 4वाव4वयालय क@ सामाेत 6न1ध, िजसक@ जथापना अ1ध6नयम क@ धारा-38 के अेतगDत हुई हो;
- n) 'शासी 6नकाय' का अथD है 4वाव4वयालय का शासी 6नकाय, िजसका गठन अ1ध6नयम क@ धारा-22 के तहत हुआ हो;
- o) 'राq[]य मूnयांकन एवं kयायन परिष से आशय है राq[]य मूnयांकन एवं kयायन परिष, बHगलुZ, 4वाव4वयालय अनुदान आयोग क@ एक जवायकत संजथा;
- p) '4व<हत'/'6नयत' का अथD है इस अ1ध6नयम के तहत 4व<हत/6नयत परि6नयम और 6नयमावल];
- q) '6त-कुलप6त' का अथD है 4वाव4वयालय के 6त कुलप6त, िजनक@ 6नयु^ित अ1ध6नयम क@ धारा-15 के तहत हुई हो;
- r) 'कुलस1चव' का अथD है 4वाव4वयालय के कुलस1चव, िजनक@ 6नयु^ित अ1ध6नयम क@ धारा-17 के तहत हुई हो;
- s) '6नयंतदी 6नकाय' का आशय है भारत सरकार वारा उच शृा के अकादमक जतर के सु6नाचयन हेतु मानकP एवं शतs के 6नधाDरण के लए जथापत 6नकाय, यथा-4वाव4वयालय अनुदान आयोग, अ8खल भारतीय तकनीक@ शृा परिष, राq[]य शुक शृा परिष, भारतीय 1चFकसा परिष, बार काउंसल ऑफ इंडया, फामvसी काउंसल ऑफ इंडया, राq[]य मूnयांकन एवं kयायन परिष, भारतीय नसwग परिष, भारतीय कृ4ष अनुसंधान परिष, वैTा6नक एवं

औद्योगिक शोध परिषद् आदि तथा इसके अलावा सरकार अथवा कोई वैसा निकाय, जो भारत सरकार या राज्य सरकार द्वारा गठित किया गया हो;

- t) 'नियमावली' से आशय है इस अधिनियम के अंतर्गत नमूना नियमावली;
- u) 'अनुसूची' का अर्थ है इस अधिनियम के तहत संलग्न अनुसूची;
- v) 4वाव4व्यालय से संबंधित 'वर्तक निकाय' का अर्थ है:-
 - i) सोसाइटीज रजिष्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अंतर्गत कोई संस्था, अथवा
 - ii) इंडियन [जट एक्ट, 1882 के अधीन पंजीकृत कोई लोक न्याय, अथवा
 - iii) किसी राज्य का 4वध के अनुप पंजीकृत कोई संस्था या न्याय ।
- w) 'राज्य सरकार' से आशय है झारखंड का राज्य सरकार;
- x) 'परिनियम' 'अनुयादेश' और 'वधनियम' का प्रमशः आशय है, परिनियम, अनुयादेश और वधनियम जो इस अधिनियम के अंतर्गत 4वाव4व्यालय द्वारा नमूना हप;
- y) '4वाव4व्यालय के वधायक' का अर्थ है 4वाव4व्यालय में उपाध, उडलोमा अथवा 4वाव4व्यालय द्वारा जथापत अन्य अकादमिक वशकता ात करने हेतु एक पाठ्यक्रम में नामांकित विद्वान, जिसमें शोध-उपाध भी शामिल है;
- z) 'शुद्ध' से आशय है प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर अथवा इस तरह के अन्य विद्वान, जिनका न्युनित 4वाव4व्यालय या किसी अंगीभूत महाविद्यालय या संस्था में नद्वशत करने (शुद्ध) अथवा शोध कार्य संचालन हेतु हुई हो, इसके तहत अंगीभूत महाविद्यालय अथवा संस्थान के धानाचार्य भी सिमलत हव, जिनका संपुट 4वाव4व्यालय अनुदान आयोग द्वारा नधाद्वरत नयमप के अंतर्गत हुई हो;
- aa) '4वाव4व्यालय अनुदान आयोग' से आशय है 4वाव4व्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के अधीन जथापत 4वाव4व्यालय अनुदान आयोग;
- ab) '4वाव4व्यालय' का अर्थ है इस अधिनियम के अंतर्गत झारखंड में जथापत **सरला बरला** 4वाव4व्यालय;
- ac) 'कुलपति' से आशय है 4वाव4व्यालय के कुलपति, जिनका न्युनित इस अधिनियम का धारा-13 के तहत हुई हो;
- ad) 'विजटर'/'अतिथि'/'आगतुक' से आशय है 4वाव4व्यालय के विजटर/अतिथि/आगतुक यथा इस अधिनियम का धारा-10 में वधनत है ।

झारखंड गजट (असाधारण) गु-वार, 20 जुलाई, 2017 5

3. व्यवस्थापक क3 & थापना:-

- (1) 4वाव4व्यालय का जथापना **सरला बरला** 4वाव4व्यालय के नाम से होगी।
- (2) 4वाव4व्यालय का मुख्यालय झारखंड राज्य के अंतर्गत होगा तथा यह राँची में अवस्थित होगा ।
- (3) वर्तक निकाय को राज्य सरकार द्वारा ाधिकार पद जार किया जाने के बाद ह 4वाव4व्यालय का संचालन आरंभ किया जायेगा।
- (4) इस अधिनियम का अनुसूची 'ए' में सिमलत शत को 4वाव4व्यालय नधाद्वरत समयावधि में पूरा करेगा ।
- (5) 4वाव4व्यालय के शासी निकाय, बंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद्, कुलाधिपति, कुलपति, 6त कुलपति, कुलसचिव, शुद्ध, मुख्य वधक एवं लेखा पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारी या सदस्य या ाधिकारी एतद्वारा 4वाव4व्यालय के नाम से गठित निकाय बनाएंगे जब तक वे इस पद पर हैं अथवा उनका सदस्यता बनी रहेगी ।

- (6) 4वाव4वयालय एक अस7ब0 4वाव4वयालय के Zप मH कायD करHगे और वे Fकसी भी महा4वयालय या संजथान मH नामांFकत 4वया1धDयP को उपा1ध (uडWी), uड{लोमा और माण-पd दान करने हेतु सब0ता नह]ं दे सकH गे ।
- (7) वतDक 6नकाय के अंगीभूत महा4वयालय और संजथान, जो स7ब0ता ा{त हV और 4वाव4वयालय के 4वशेषा1धकार का उपयोग कर रहे हV वे इस अ1ध6नयम के भावी होने के साथ ह] उस 4वाव4वयालय से अस7ब0 हो जाएंगे, उनक@ ऐसी सु4वधाएँ इस अ1ध6नयम के लागू होने के साथ समा{त हो जाएंगी और **सरला बरला** 4वाव4वयालय के वतDक 6नकाय वारा दkt सु4वधाओं के साथ ऐसे महा4वयालय और संजथान उस **सरला बरला** 4वाव4वयालय के अंगीभूत महा4वयालय या संजथान बन जाएंगे ।
- (8) **सरला बरला** 4वाव4वयालय नाम से एक 6नकाय होगा और इस अ1ध6नयम के ावधानP के अनुZप उसके पास सतत् पद-ाि{त अनुपम और सामाेय 6तTा माणन क@ शि^त होगी, स7प6त Wहण करने व उस पर आ1धपाक रखने, उसे अनुबंध/सं4वदा पर देने अथवा क1थत नाम से वाद चलाने के अ1धकार हPगे या िजस पर वाद दायर Fकया जा सकेगा ।
- (9) 4वाव4वयालय रा;य सरकार अथवा केे सरकार से Fकसी भी कार के अनुदान अथवा 4वकतीय सहायता ा{त नह]ं कर सकH गे ।

6

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई,2017

बशतv Fक रा;य सरकार अथवा केे सरकार अनुदान या अेय तर]के से 4वकतीय सहायता दे सकती है:

- a) शोध 4वकास और अेय ग6त4व1धयP के लए जैसे रा;य सरकार के अेय संगठनP को 4वकतीय सहायता उपलध करायी जाती है अथवा
- b) 4वशट शोध अथवा कायDपम आधारित कोई ग6त4व1ध;

4.ववयालय क3 स5पत एवं इसके अनु%योग:-

- (1) 4वाव4वयालय क@ Jथापना हो जाने पर भूम और अेय चल एवं अचल स7प6तयाँ, जो झारखड रा;य मH 4वाव4वयालय के उीय (पू6तD) के लए अ1धW<हत, सृजित, यविJथत या 6नमDत क@ जाती हV, वे 4वाव4वयालय मH 6न<हत हPगी ।
- (2) 4वाव4वयालय वारा भूम, भवन और अेय अ1धW<हत स7प6तयाँ Fकसी अेय उीय के लए इJतेमाल नह]ं हPगी सवा िजस उीय के लए वे अ1धW<हत क@ गयी हV ।
- (3) 4वाव4वयालय क@ चल अथवा अचल स7प6तयP का बंधन शासी 6नकाय वारा 4व6नयमP मH दkt र]6त के अनुZप Fकया जायेगा ।
- (4) उप धारा-(1) के अेतगDत 4वाव4वयालय के नाम से हJतांतरित स7प6त को 4वाव4वयालय के 4वघटन अथवा समापन के फलJवZप 6नधाDरित ढंग से 6नयमावल] मH व8णDत तर]के से यु^त Fकया जाएगा ।

5.ववयालय के नब9धन/अवरोध और बा;यताएँ:-

- 1) 4वाव4वयालय के यावसा6यक पाोयपमP, यथा-अभयंतण एवं ौयो1गक@, 1चFकसा-शाJd, बंधन आ<द के लए शृण-शुनक का 6नधाDरण 4वाव4वयालय के वारा रा;य सरकार वारा अ1धसू1चत समय-समय पर 6नयामक 6नकाय, जैसा वह उ1चत समझेगी, के पयDवेृण मH Fकया जाएगा ।
- 2) 4वाव4वयालय मH नामांकन पूर] तरह योसयता के आधार पर होगा। 4वाव4वयालय मH नामांकन क@ योसयता का 6नधाDरण ा{तांक या अहDता पर]ृा मH ा{त Wेड और पाोयेतर और अ6तर^त पाोयचयाD ग6त4व1धयP अथवा रा;य Jतर पर 4वाव4वयालय या 4वाव4वयालयP के संगठन या रा;य सरकार के Fकसी अभकरण वारा समान पाोयपमP के लए संचालत वेश पर]ृा मH ा{त अंकP या Wेड के आधार पर Fकया जाएगा ।

बशतः Fक 4वाव4वयालय के |यावसा6यक शृण महा4वयालयP अथवा
संजथानP मह नामांकन 6नयंdी 6नकाय के ावधानP वारा शासत/6नयमत हो ।

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 7

- 3) 6नधDन एवं आ1थDक िकट से 4पछड़े वगs के 4वया1थDयP के लए 4वाव4वयालय कोशृण शुनक मह पूर] ृमता के कम से कम पाँच 6तशत को मेधा छादवृ6त क@ अनुम6त देनी होगी।
6नधDनता तथा आ1थDक िकट से 4पछड़े वगs क@ कसौट] का 6नधाDरण रा;य सरकार वारा समय- समय पर Fकया जा सकेगा ।
- 4) 4वाव4वयालय के 4वया1थDयP क@ कुल सं#या के पचीस 6तशत सीटP पर झारखड रा;य के अ1धवासी 4वया1थDयP के लए आरृगत करने का ावधान 4वाव4वयालय को करना होगा। सीटP के आरृण का 6नयमन झारखड सरकार के 6नयम और समय-समय पर जार] आदेशP के वारा Fकया जायेगा ।
- 5) 4वाव4वयालय को 4वाव4वयालय के शृकेतर पदP के कम से कम पचास 6तशत शृकेतर पदP को झारखड रा;य के अ1धवासी लोगP के लए आरृगत करने का ावधान रखना होगा। सीटP के आरृण का 6नयमन झारखड सरकार के 6नयम और समय-समय पर जार] आदेशP के वारा Fकया जायेगा ।
- 6) 4वाव4वयालय को अकादमक ऽतर को बनाये रखने के लए यथेकट/पयाD {त सं#या मह शृकP एवं अ1धकािरयP क@ 6नयुित करनी होगी और यह सु6निचित करना होगा Fक उन शृकP या अ1धकािरयP क@ योऽयता ासं1गक 6नयामक 6नकाय वारा 6नधाDiरत मानक से 6न7न न हो ।
- 7) 4वाव4वयालय को 4वाव4वयालय से जुड़ी तमाम सूचनाएँ 4वया1थDयP एवं अेय पणधािरयP के <हत मह सावDज6नक करनी होगी, जैसे Fक संचालत पाोयपम, अलग-अलग को<ट (ेणी) के तहत सीटH, शुनक एवं अेय पारियय, दत सहूलयतH एवं सुख सु4वधाएँ, उपलध संकाय/ाययापक वगD एवं अेय ासं1गक सूचनाएँ ।
- 8) पार6नयमP मह व8णDत र]6त के अनुZप 4वाव4वयालय कयेक अकादमक वषD मह उपाध, ण्ड {लोमा दान करने एवं अेय उेय से दृांत समारोह आयोजित कर सकेगा ।
- 9) 4वाव4वयालय को ऽथापना के पाँच वषs के भीतर राq]य मूण्यांकन एवं कयायन पारष (NAAC) से कयायन ाित करना होगा और भारत सरकार क@ अेय 6नयामक संथाएँ, जो 4वाव4वयालय वारा संचालत पाोयपमP से स7बO हV, के वारा दकत Wेड क@ सूचना रा;य सरकार को देनी होगी। 4वाव4वयालय को समय-समय पर ऐसे कयायन का नवीकरण कराना होगा ।
- 10) इतना होते हुए भी इस अ1ध6नयम क@ अनुसूची 'A' मह ङिनल8खत शतs और भारत सरकार क@ 6नयामक संथाओं के 6नयमP, 4व6नयमP, मानदडP आ<द का इन संथाओं वारा दकत सहूलयतP था सहयोग व कतDयP के 6नqपादन एवं कायD को जार] रखने के लए उन संथाओं को जैसी आवायकता होगी, 4वाव4वयालय के लए इनका अनुपालन बाय्यकार] होगा ।

8

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

6.वववयालय के उेय:-

4वाव4वयालय का उेय अनुदेशनाकमक, शोध तथासार एवं ऐसी अ1धगम क@ शाखाओंके वारा जैसा वो उपयुत समझे, Tान तथा कौशलP को बढ़ाना तथा 4वजतार करना होगा और 4वाव4वयालय यह यकन करेगा Fक 4वया1थDयP तथा शृकP को 6न7नल8खत के लए आवायक माहौल तथा सु4वधाएँ उपलध करायी जायH:-

- a) पाोयपम का मु#य शृा मह पुन6नDमाDण एवं नवाचार, शृण के नवीन तर]के, शृण तथा अ1धगम ऑनलाइन अ1धगम स<हत, सि7म1त अ1धगम, सतत् शृा एवं अेय तर]के तथा एक@कृत एवं ियितकव का <हतकर 4वकास;

- b) 4व4वध अनुशासनP मH अययन;
- c) अंतर अनुशासक अययन;
- d) राq[]य अखंडता, धमD6नरपेगता एवं सामाजिक समता तथा अंतरराq[]य मेल-मलाप एवं नी6तशाJd।

7.ववयालय (लंग, धम?, वग?, रंग, पंथ, अथवा मत से परे सबके (लए खुला होगा:-

Fकसी भी यि^त को 4वाव4वयालय के Fकसी कायाDलय अथवा उसके Fकसी अेय ाIधकार क@ सदJयता से अथवा Fकसी uडWी, uड{लोमा अथवा अेय अकादमक वैशq[]य पाoyपम मH नामांकन से लंग, मत, वगD, जा6त, जेम के Jथान और धामDक 4वावास अथवा राजनी6तक या अेय मतवाद के आधार पर पृपात या भेदभाव कर वं1चत नहं Fकया जाएगा ।

8.ववयालय के काय? एवं शिDतयाँ:-

- (i) 4वाव4वयालय का शासन एवं बंधन, इसके अंगीभूत महा4वयालयP का शासन एवं बंधन तथा शोध, शृण, शृण के केe□P का 4वJतार एवं सतत् शृा, दूरJथ अIधगम एवं ई-ल6नwg के 4वJतार एवं पहुँच को इसके झारखड रा;य मH अविJथत पारसर मH संचालन व बंधन;
- (ii) 4वTान, ौयोIगक@, मान4वक@, समाज 4वTान, शृा-शाJd, बंधन, वा8ण;य, 4वIध, फामvसी, JवाJ[]य सेवा एवं अेय गेेदP मH शोध, उच शृा, यावसा6यक शृा, शृण-शृण, सतत् शृा, दूरJथ अIधगम एवं ई-ल6नwg के संसाधनP को उपल□ध कराना;
- (iii) शैfgक ौयोIगक@, शृण एवं अIधगम Fपया मH नवाचारJ योग, राq[]य एवं अंतरराq[]य संJथाओं के साथ सहयोग एवं वैसी संJथाओं को संयु^त कायDpमP का Jताव देना िजससे शृा के 4वतरण एवं अंतरराq[]य मानकP को 4वकसत एवं ा{त करने मH 6नरंतरता रहे;

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 9

- (iv) शृा दान करने मH लचीलेपन के लए 6नधाDरत पाoyपम, पाoyचयाD एवं णालJ मH इले^ा6नक एवं दूरJथ अIधगम 4व<हत करना;
- (v) परJृा का आयोजन तथा Fकसी यि^त के नाम 4वाव4वयालय वारा तय शतs के साथ उपाIध, uड{लोमा या माण-पद और अेय अकादमक 4वशqटता दान करना अथवा 4व6नयमP मH व8णDत तरJके से उस उपाIध, uड{लोमा या माण-पद और अेय अकादमक 4वशqटता या नाम को वापस लेना;
- (vi) फेलोशप (शृावृिक्त), छादवृिक्त, पदक और पुरJकार Jथा4पत एवं दान करना;
- (vii) पार6नयम मH व8णDत तरJके के अनुZप मानद उपाIध या अेय 4वशqटता दान करना;
- (viii) उ□ेIयP क@ ाि{त मH आवायक सहायता के लए Jकूल, केe□, संJथान, महा4वयालय क@ Jथापना और 4वाव4वयालय के मतानुसार कायDpमP तथा पाoyपमP का आयोजन;
- (ix) 4वाव4वयालय के मतानुसार शृा दान करने व योजनP के ोकसाहन के लए Fकसी महा4वयालय, केe□, संJथान को अंगीभूत महा4वयालय घो4षत करना या नये अंगीभूत महा4वयालय, केe□, संJथान क@ Jथापना करना;
- (x) शोध, शृण सामWी एवं अेय कायs के लए मु□ण, काशन एवं पुनZकपादन हेतु बंधन एवं दशD6नयP, स7मेलनP, कायDशालाओं एवं संगोिठयP का आयोजन;
- (xi) Tान संसाधन केe□ क@ Jथापना;

- (xii) 4वTान, ौयो1गक@, मान4वक@, समाज 4वTान, शृंग्रा, बंधन, वा8ण;य, 4व1ध, फामvसी, JवाJयसेवा एवं अेय स7बO ग्रेडP मH अनुसंधान तथा शैफुक कायDपमP का ायोजन एवं दा6यकव वहन करना;
- (xiii) समान उोेयP के लए Fकसी शैफुक संजथान के साथ सहयोग व संबOता;
- (xiv) 4वाव4वयालय के उोेयP क@ ाि{त के लए आभासी (वचुDअल) पारसर समेत पारसरP क@ Jथापना;
- (xv) पेटेक कृत के शोध, योजना अ1धकारP एवं ऐसे समान अ1धकारP के साथ सृम ा1धकारP से अनुसंधान के संबंध मH पंजीकरण का दा6यकव लेना;
- (xvi) 4वाव4वयालय के आंशक अथवा पूणD उोेयP क@ ाि{त हेतु दुनया के Fकसी भी <हJसे के शैफुक एवं अेय संजथानP, 4वाव4वयालयP के साथ 4वया1थDयP, शोधा1थDयP, शृकP, कमDचारयP

के आदान-दान के वारा संबंध अथवा सहयोग बनाना जैसा वो उ1चत समझे;

10

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

- (xvii) अनुसंधान, शृण, परामशD तथा इस कार क@ अेय सेवाएँ देना, जो 4वाव4वयालय के योजन के लए आवायक हो;
- (xviii) शृकP, शोधा1थDयP, शासकP एवं 4वTान, ौयो1गक@, मान4वक@, समाज 4वTान, शृंग्रा, बंधन, 4व1ध, वा8ण;य, फामvसी, JवाJय सेवा एवं स7बO ग्रेड के 4वशेषTP के बीच 4वाव4वयालय के लयP क@ ाि{त के लए संबंध बनाये रखना;
- (xix) म<हलाओं एवं अेय वं1चत 4वया1थDयP के लए 4वाव4वयालय वारा यथासंभव वांछनीय 4वशेष यवJथा करने पर 4वचार;
- (xx) 4वाव4वयालय के यय का 6नयमन, 4वकत का बंधन एवं लेखा का रख-रखाव;
- (xxi) 4वाव4वयालय के उोेय एवं लय ाि{त के लए हJतांतरण वारा 6न1ध, चल एवं अचल स7पिकत, उपाकर, सॉटवेर एवं अेय संसाधनP को यवसाय, उयोग, समाज के अेय वगs, राqय एवं अेतरराqय संगठनP अथवा Fकसी अेय ोत से उपहार, दान, उपकार या वसीयत के Zप मH ाि{त करना;
- (xxii) 4वया1थDयP के लए सभागार, छादवास एवं शृकP तथा कमDचारयP के 6नवास के लिए
- (xxiii) खेल, सांजकृतक सह-पाoyचयाD एवं अ6तर^त पाoyचयाD ग6त4व1धयP क@ उेन6त के लए केेP, पारसरP, सभागारP, भवनP, Jटेडयम का 6नमाDण, बंधन तथा रख-रखाव;
- (xxiv) 4वाव4वयालय के 6नवासी 4वया1थDयP, शृकP तथा कमDचारयP के लए अनुशासन बनाये रखने और उनके JवाJय, सामाेय कनयाण, सामािजक एवं सांजकृतक ग6त4व1धयP के ोकसाहन, संवODन हेतु पयDवेृण, 6नयंण तथा 6नयमन;
- (xxv) पार6नयम वारा 6नधाDिरत फ@स एवं अेय शुनक तय करना, मांगना तथा ाि{त करना;
- (xxvi) फैलोशप (शोधवृिकत), छादवृिकत, पुराकार, पदक एवं अेय पुराकारP क@ Jथापना;
- (xxvii) 4वाव4वयालय आवायकता या योजन को पूरा करने क@ िकट से Fकसी भूम या भवन को खरJदने, पंे पर लेने या उपहारव वसीयत, 4वरासत या अेय तरJके से कायD हेतु ाि{त कर सकेगा और यह उन 6नयमP व शतs के Zप मH JवीकायD हो सकता है, िजससे Fकसी भवन को बनाने या कायD करने, उसमH पारवतDन करने और रख-रखाव हेतु उ1चत हो;
- (xxviii) 4वाव4वयालय के <हत, ग6त4व1धयP एवं उोेयP क@ संग6त क@ िकट से जो माेय हो, उसके अनुZप 4वाव4वयालय क@ चल या अचल स7पिकत या उसके Fकसी <हJसे को बेचने, 4व6नमय, पंा या अेय तरJके से बंधत करना;

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 11

(xxix) 6नमाDण और समथDन, कटौती और वाताD, वचनपद नोट, 4व6नयम Uबल, चेक और अेय 4व6नमेय

उपJकर आक4षDत और Jवीकार करना;

(xxx) 4वाव4वयालय के सभी खचs को पूरा करने के लिए 4वाव4वयालय क@ 6न1ध को बढ़ाना और बांड पर उधार लेना, बंधक, वचनपद नोट या अेय दा6यकवP या 6तभू6तयP क@ Jथापना या स7पूणD अथवा 4वाव4वयालय क@ Fकसी संपिक्त और पारस7पिक्त अथवा Uबना Fकसी 6तभू6त

और माेय 6नयमP और शतs के अनुZप करना;

9. स5बEता के अवरोधक:-

- 1) 4वाव4वयालय को Fकसी महा4वयालय या संJथा को स7बOता देने का 4वशेषा1धकार नह]ं होगा ।
- 2) 4वाव4वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा Jथा4पत ऐसे अेय 6नयामक 6नकायP अथवा केे या रा;य सरकार, जैसा भी हो, के वारा पूवD Jवीकृत के पाचात् ह] 4वाव4वयालय अपने पारसर के अलावा कोई दूरवतZ पारसर, अपतट पारसर, अययन केे, पर]gा केे झारखंड रा;य के अेदर या बाहर शुZ कर सकेगा ।
- 3) दूरJथ णाल] से पाoyपमP क@ शुZआत केवल 4वाव4वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा Jथा4पत ऐसी 6नयामक संJथा क@ पूवD Jवीकृत के बाद क@ जाएगी ।

10. आगंतुक (विजटर):-

- 1) झारखंड के रा;यपाल 4वाव4वयालय के 4विजटर (आगंतुक) हPगे।
- 2) आगंतुक (4विजटर) जब द]gांत समारोह मH uडWी (उपा1ध), uड{लोमा, चाटDर, ओहदा (पदनाम) और माण-पद दान करने के लिए मौजूद रहHगे तो उसक@ अययगता करHगे ।
- 3) 4वाव4वयालय अथवा 4वाव4वयालय वारा संपो4षत Fकसी संJथान के शgा के Jतर, अनुशासन, शूटाचार और समु1चत Fपयाशीलता को सु6निचत करने क@ िक्ट से आगंतुक को 4वाव4वयालय के िमण/दौरे का अ1धकार होगा ।

वववयालय के अधिकारH

11. वववयालय के न5न(लाखत अधिकारH हJगे:-

- | | |
|--------------|----------------------------------|
| a) कुला1धप6त | b) कुलप6त |
| c) 6त-कुलप6त | d) 6नदेशक/धानाचायD |
| e) कुलस1चव | f) मु#य 4वक्त एवं लेखा पदा1धकार] |

12

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

- | | |
|--|------------------------|
| g) पर]gा 6नयंदक | h) छाद कनयाण संकायाययg |
| i) संकायाययg | j) कुलानुशासक और |
| k) 4वाव4वयालय मH अेय ऐसे अ1धकार] जो पार6नयम वारा घो4षत Fकये जाएंगे । | |

12. कुलाधपत:-

- 1) कुलाधपत क@ नयुित वतडक नकाय वारा पाँच वष क@ अवध के लए आगंतुक (4विजटर)

के अनुमोदन के पाचात् नधाडिरत फयाओं तथा एतसंबंधी नयमप एवं शत के अनुप क@

जाएगी। कायडकाल पूरा होने के पाचात् कुलाधपत आगंतुक क@ सलाह के बाद वतडक नकाय

वारा पुननयुित फकये जा सकहगे।

- 2) कुलाधपत अपने कायाडलय पद के अधकार से 4वाव4वयालय के धान हपगे।
3) कुलाधपत शासी नकाय क@ बैठकप क@ अययता करहगे और जब आगंतुक (4विजटर) मौजूद

नहं रहहगे तब उपाध (uडWी), uडलोमा या अय अकादमक 4वशटता दान करने हेतु दगंत

समारोह क@ अययता करहगे।

- 4) कुलाधपत अपने हाथ से लखत व वतडक नकाय को संबोधित कर अपने पद से इतीफा दे

सकते हव।

- 5) कुलाधपत को ननलखत अधकार हपगे, यथा:-

- a) फकसी भी जानकारी या अभलेख क@ माँग करने;
b) कुलपत क@ नयुित;
c) इस अधनयम के ावधान के अनुप कुलपत को हटानेऔर
d) इस अधनयम या पननयम के वारा दकत अय शितयाँ।

13.कुलपत:-

- 1) कुलपत क@ नयुित कुलाधपत 4वाव4वयालय अनुदान आयोग वारा नधाडिरत योसयताओं

के अनुप करहगे और ये पाँच साल क@ अवध के लए अपने पद पर बने रहहगे। बशतव फक

कुलपत पाँच वष क@ अवध पूर होने के पाचात् पाँच वष के एक और कायडकाल के लए

पुननयुित के पाव हपगे। शत यह रहेगी फक कुलपत के उप मह नयुित पित 70 वष क@

आयु पूर करने के बाद अपने पद से, कायडकाल के दौरान या 4वतािरत कायडकाल से सेवानवृत

हो जाएगा।

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 13

- 2) कुलपत 4वाव4वयालय के मुय कायडकार और अकादमक अधकार हपगे और 4वाव4वयालय के मामल मह सामाय अधीण और नयंतण का योग करहगे तथा 4वाव4वयालय के 4वभेन ाधकार वारा लए गए फैसल पर अमल करहगे।
3) आगंतुक (4विजटर) और कुलाधपत क@ गैर मौजूदगी मह 4वाव4वयालय के दगंतसमारोह क@ अययता करहगे।

- 4) कुलप6त य<द यह अनुभव करH Fक Fकसी मामले पर तkकाल कारDवाई आवायक है, तो वे 4वाव4वयालय के Fकसी ाIधकार काइस अIध6नयम के तहत दkत शि^तयP का इJतामोल कर सकते हV और उस ाIधकार को संबO मामले मH कृत कारDवाई क@ जानकारी दे सकते हV ।

बशतv Fक 4वाव4वयालय का ाIधकार या 4वाव4वयालय क@ सेवा का अेय यि^त य<द कुलप6त वारा कृत कारDवाई से यIथत है तो इस उप धारा के तहत इस 6नणDय के से4षत होने क@ 6तIथ के एक माह के भीतर कुलाIधप6त के समूह अपील कर सकता है । कुलाIधप6त, कुलप6त वारा क@ गयी कारDवाई को संपुqट, संशोIधत या पारिव6तDत कर सकते हV ।

- 5) कुलप6त ऐसी शि^तयP और इस तरह के अेय कायD 6नधाDiरत दायरे मH कर सकते हV ।

14. कुलपत क3 पदLयुत:-

- 1) कुलाIधप6त को य<द Fकसी समय Fकसी जाँच के पाचात् आवायक लगे या तीत हो Fक कुलप6त:
 - a) इस अIध6नयम, पारिव6नयम, अययादेश के तहत दkतकतDयP के 6नवDहन मH 4वफल रहे हP; अथवा
 - b) 4वाव4वयालय के <हतP के 4वपरJत पूवाDWh से ेरत होकर कायD Fकये हP, या
 - c) 4वाव4वयालय के मामलP को सुलझाने मH अगुम हP, तो कुलाIधप6त यह जानते हुए भी Fक कुलप6त का कायDकाल पूरा नहJं हुआ है, कारण बताते हुए 6नधाDiरत 6तIथ से पद से इJतीफा देने के लए ल8खत आदेश दे सकते हV ।
- 2) उप धारा (1) के तहत 4वशेष आधार पर कारDवाई के Fकसी Jताव क@ सूचना <दए UBना कोई आदेश पारित नहJं Fकया जाएगा, Jता4वत आदेश के 8खलाफ कारण बताने का एक समुIचत अवसर कुलप6त को <दया जाएगा ।

15. %त-कुलपत:-

- 1) 6त-कुलप6त क@ 6नयुि^त कुलाIधप6त वारा इस तरJके से और ऐसे कायs के लए दkत व व8णDत शि^तयP के तहत क@ जा सकेगी ।

14 झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

- 2) 6त कुलप6त उप धारा-1 के तहत 6नयु^त एक ोफेसर के Zप मH अपने कतDयP के अलावा अपने कतDय का 6नवDहन करHगे ।
- 3) 6तकुलप6त कुलप6त को उनक@ आवायकतानुसार उनके कतDयP के 6नवDहन मH सहायता करHगे ।
- 4) 6तकुलप6त वतDक 6नकाय वारा 6नधाDiरत राश मानदेय के Zप मH ाIत करHगे ।

16. नदेशक/ नदेशकJ/%धानाचाय?/%धानाचायN:-

6नदेशक/धानाचायD क@ 6नयुि^त 6न<दDqट ढंग से तथा दkत शि^तयP का योग कर क@ जा सकेगी ।

17. कुलसचव :-

- 1) कुलसIचव वतDक 6नकाय के अययग वारा पारिव6नयम मH 6न<दDqट ावधानP के अनुसार 6नयु^त

Fकये जाएंगे । कुलसIचव 4वाव4वयालय अनुदान आयोग वारा 6नधाDiरत योसयता को धारण करHगे ।

- 2) कुलसचिव को 4वाव4व्यालय क@ और से अभिलेखP, दस्तावेजP को अभिमा8णत करने, माण-

पदP पर हस्ताक्षर करने तथा समझौता करने क@ शि^त होगी तथा वे ऐसी दूसर] शि^तयP का योग एवं कायs को पूरा करहगे जो उनके लए 6न<ददQट Fकया गया हो ।

- 3) कुलसचिव कायDकार] पारिष एवं अकादमक पारिष के पदेन सदस्य सचिव हPगे लेFकन उहेH

मत देने का अधिकार नह]ं होगा ।

18.मुय वOत तथा लेखा अधिकारH :-

- 1) वतDक 6नकाय के अययg वारा मु#य 4वकत तथा लेखा पदाधकार] क@ 6नयु^ित इस कार क@ जाएगी, जैसा पार6नयम मH 6न<ददQट हो ।
- 2) मु#य 4वकत एवं लेखा पदाधकार] ऐसी शि^तयP का योग तथा दा6यkvP का 6नवDहन कर सकH गे जैसा Fक पार6नयम मH 6न<ददQट है ।

19.परH,ा नयंपक:-

- 1) पर]gा 6नयंदक 4वाव4व्यालय का पूणDकालक पदाधकार] होगा तथा पार6नयम के अनुZप कुलाधप6त वारा 6नयु^त Fकया जाएगा ।
- 2) पर]gा 6नयंदक के दा6यkv हPगे:-
 - a) पर]gा को अनुशासत एवं कुशल तर]के से संचालत करना;
 - b) स#त गोपनीयता क@ िट से इन-पदP के चयन क@ यव]था करना;
झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 15
 - c) 6नधाDिरत समय-सांरणी के अतगDत उकतर पुितकाओं के मूयांकन क@ यव]था करना;
 - d) पर]gा-णाल] क@ 6नqपgता और 4वषय6नqठता को उेत बनाने तथा 4वयाधDयP क@ योsयता के सह] आकलन क@ िट से बेहतर साधन अपनाने के लए सतत् समीgा करना;
 - e) कुलप6त के वारा समय-समय पर सXपे गए उन सारे दा6यkvP का 6नवDहन करना जो पर]gा से संबंधत हP ।

20.अQय अधिकारH:-

छाद कनयाण संकायाययg, संकायाययg और मु#य कुलानुशासक सहत 4वाव4व्यालय के अय अधकािरयP के दा6यkv, शि^तयP और 6नयु^ित का तर]का वैसा होगा, जैसा 6न<ददQट Fकया गया हो ।

21.ववव्यालय के %ाधिकार:-

4वाव4व्यालय के 6न7नल8खत ाधकार हPगे, यथा-

- a) शासी 6नकाय
- b) बंधन बोडD
- c) अकादमक पारिष
- d) 4वकत सम6त

- e) योजना बोर्ड
- f) वैसे अये सभी अधिकार, जो अधिनियम के द्वारा 4वाव4व्यालय के अधिकार घोषित किये गये हए ।

22. शासी निकाय

- 1) शासी निकाय के 6न7नल8खत सदस्य हएंगे, यथा-
 - a) कुलाधिपति;
 - b) कुलपति;
 - c) सरकार के सचिव, उच्च, तकनीक शृंखला एवं कौशल विकास 4वभाग, झारखंड अथवा उनका प्रतिनिधि;

16

झारखंड गजट (असाधारण) गु-वार, 20 जुलाई, 2017

- d) वतर्क निकाय द्वारा नामित पाँच प्ति, िजनमह से दो शृंखला हएंगे;
- e) कुलाधिपति द्वारा नामित 4वाव4व्यालय के बाहर से एक प्ति, जो बंधन और ौयोगिक के विशेष के उप मह हएंगे ।
- f) कुलाधिपति द्वारा नामित एक 4वक्त विशेष ।
- 2) शासी निकाय 4वाव4व्यालय का सचिव अधिकार एवं मुख्य शासी निकाय होगा । इसक
 - 6न7नल8खत शितियाँ हएंगी, यथा:-
 - a) नयम, परिनयम, अधिनयम अथवा अयादेश का योग करते हुए 4वाव4व्यालय के काय को नयनत, नदवशत एवं संचालित करना;
 - b) 4वाव4व्यालय के अये नणय क समीक्षा करना यद वे नयम, अयादेश, कानून के ावधान के अनुप नहों हो;
 - c) 4वाव4व्यालय के वाषर्क तवेदन तथा बजट को अनुमोदित करना;
 - d) 4वाव4व्यालय द्वारा अनुपालन हेतु 4वर्त नीतय का नमाडण;
 - e) 4वाव4व्यालय के 4वघटन के लए वतर्क निकाय को अनुशंसा करना, यद संपूर्ण
 - यास के बाद भी 4वाव4व्यालय ठीक ढंग से काय संपेन करने क िथत मह नहों हो;
 - f) परिनयम द्वारा नदद अये शितय का योग करना ।
- 3) शासी निकाय क बैठक एक कैलेंडर वर्ष मह कम-से-कम तीन बार होगी ।
- 4) बैठक का कोरम चार होगा:-
 - बशत सचिव, उच्च, तकनीक शृंखला एवं कौशल विकास 4वभाग, झारखंड सरकार के

सचिव या उनक अनुपिथत मह नदेशक, उच्च शृंखला, उच्च, तकनीक शृंखला एवं कौशल विकास

4वभाग, झारखंड कयेक बैठक मह उपिथत हए, िजसमह सरकार नीतय या नदवश से संबधत

6नणDय लये जाने हP ।

23. %बंधन बोड?:-

- (1) बंधन बोडD 6न7नल8खत सदJयP के योग से ग<ठत होगा, यथा-
 - a) कुलप6त;
 - b) सरकार के स1चव, उरच एवं तकनीक@ शृंगा 4वभाग, झारखंड अथवा उनके 6त6न1ध;

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 17

- c) वतDक 6नकाय वारा नामत शासी 6नकाय के दो सदJय;
- d) वतDक 6नकाय वारा नामत तीन सदJय, जो शासी 6नकाय के सदJय नह]ं हV;
- e) शृकP के बीच से वतDक 6नकाय वारा नामत तीन सदJय;
- f) कुलप6त वारा नामत दो शृक।
- (2) बंधन बोडD के अययृ कुलप6त हPगे।
- (3) बंधन बोडD क@ शितयौं एवं कायD पिर6नयम MH जैसा 6न<दDqट है, के अनुZप होगा ।
- (4) बंधन बोडD क@ बैठक का कोरम पाँच होगा;
बशतv Fक सरकार के स1चव, स1चव, उरच, तकनीक@ शृंगा एवं कौशल 4वकास 4वभाग, झारखंड सरकार अथवा उनक@ अनुपिJथ6त MH 6नदेशक, उरच शृंगा, उरच, तकनीक@ शृंगा एवं कौशल

4वकास 4वभाग, झारखंड kयेक बैठक MH उपिJथत हP; िजसMH सरकार क@ नी6तयP/6नदवशाP से संबंधत

6नणDय

लये जाने हP ।

24. अकाद(मक प0रष:-

- 1) अकादमक पिरष कुलप6त तथा वैसे सदJयP के योग से बनेगा, जैसा पिर6नयम MH 6न<दDqट है।
- 2) अकादमक पिरष के अययृ कुलप6त हPगे।
- 3) आकादमक पिरष 4वाव4वयालय क@ मु#य अकादमक 6नकाय होगी, जैसा Fक अ1ध6नयम, पिर6नयमP, अययादेशP MH ावधान है और यह 4वाव4वयालय क@ अकादमक नी6तयP का संयोजन तथा पयDवेृण करेगी ।
- 4) अकादमक पिरष क@ बैठक का कोरम पिर6नयम के 6नदवशाP के अनुZप होगा।

25. व0त स(मत:-

- 1) 4वकत सम6त 4वाव4वयालय क@ मु#य 4वकतीय 6नकाय होगी, जो 4वकत संबंधी मामलP क@ देख-रेख करेगी ।
- 2) 4वकत सम6त का सं4वधान, शितयौं और कायD 6न<दDqट ावधानP के अनुZप हPगे ।

26. योजना बोड?:-

1) योजना बोडD 4वाव4वयालय का धान योजना 6नकाय होगा और यह सु6निचित करेगा Fक बु6नयाद] ढाँचा और अकादमक समथDन णाल] 4वाव4वयालय अनुदान आयोग तथा अेय पिरषदP वारा 6नधाDiरत मानदंडP को पूरा करती है ।

- 2) योजना बोर्ड का संवधान, उसके सदस्य का कार्यकाल तथा उनका शिर्षक एवं कार्य का वित्तपोषण वित्तपोषण के अनुषंग होगा।

27. अधिकार:-

विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अधिकार का गठन, शिर्षक तथा कार्य वित्तपोषण के अनुषंग हो सकेगा।

28. किसी अधिकार अथवा निकाय का सदस्यता के लिए अयोग्यता:-

कोई व्यक्ति विश्वविद्यालय के किसी अधिकार या निकाय का सदस्यता के योग्य नहीं होगा, यदि वह:

- यदि वह अविद्यमान मानस का है और उसे सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसा घोषित किया गया है;
- यदि अमृत देवालय है;
- यदि नैतिक खलन का अपराधी पाया गया है;
- किसी परीक्षा के संचालन में अनुचित व्यवहार करने अथवा लोकसाक्षर करने के लिए कहा भी, किसी में दंडित किया गया है।

29. विरुद्ध विश्वविद्यालय के अधिकार अथवा निकाय के गठन या कार्यवाही को अमान्य नहों करनी:-

विश्वविद्यालय के किसी अधिकार का कार्यवाही सफेद इसलिए अमान्य नहीं कर जायेगी कि विश्वविद्यालय के किसी अधिकार या संगठन का विरुद्ध अथवा संवधान में कोई दोष है।

30. समतय का गठन:-

विश्वविद्यालय के अधिकार ऐसी शक्त के साथ जो विशेष काम के लिए आवश्यक है तथा जो परिणाम वारा अनुमोदित है, ऐसी समतय का गठन कर सकेंगे।

परिणाम, अ;यादेश और वनयम

31. धर्म परिणाम:-

- 1) इस अधिनियम के संवधान तथा इसके अंतर्गत बनाये गए नियम के अनुकूल पहला परिणाम वित्तपोषण मामलों में से सभी या किसी एक का वित्तपोषण करेगा, यथा-

- विश्वविद्यालय के अधिकार और अध्यक्ष निकाय के लिए समय-समय पर गठन, शिर्षक और कार्यवाही का वित्तपोषण;

झारखण्डगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 19

- कुलाधिपति, कुलपति का वित्तपोषित का शक्त और उनका शिर्षक तथा अधिकार का

वित्तपोषण;

- कुलसचिव और मुख्य वक्ता तथा लेखा पदाधिकार का वित्तपोषित का फर्मा और शक्त तथा उनका शिर्षक और कार्य का वित्तपोषण;

- अध्यक्ष अधीनस्थ तथा शृंगार का वित्तपोषित का पोषित और शक्त तथा शिर्षक और

कार्य का वित्तपोषण;

- विश्वविद्यालय के कमर्चाय का सेवा-शक्त का वित्तपोषण;

- कमर्चाय अथवा वयाधाय और विश्वविद्यालय के बीच किसी कार के विवाद का

विगत में मय्यता का फर्मा का वित्तपोषण;

- g) मानद उपाध्याय दान करना;
 - h) 4वर्षीय शिशु के शिशु शिशु क@ अदायगी में छूट और छात्रवृत्ति तथा फेलोशिप दान करने क@ फर्षा का 6नधाकरण;
 - i) सीट के आरुण के 6नयम सहित वेश क@ नीत का 6नधाकरण; तथा
 - j) 4वर्षीय शिशु से लया जाने वाला शिशु।
- 2) 4वाव4वर्षीय का पहला परि6नयम शासी 6नकाय वारा बनाया जाएगा और जीवित हेतु रा;य सरकार को सम4पदत फकया जाएगा।
 - 3) 4वाव4वर्षीय वारा सम4पदत फकए गए पहले परि6नयम पर रा;य सरकार 4वचार करेगी और यथा संभव इसक@ ाित के साथ <दन के भीतर इसक@ जीवित, संशोधन अथवा उबना संशोधन के जैसा वह आवायक समझे, देगी।
 - 4) रा;य सरकार वारा जीवित पहले परि6नयम पर 4वाव4वर्षीय अपनी सहमत से 4षत करेगा, अथवा रा;य सरकार वारा उप धारा-3 के अंतगत फकये गये फकसी संशोधन या सभी संशोधन को नहं लागू करने पर कारण बतायेगा। रा;य सरकार 4वाव4वर्षीय के सुझाव को माय या अमाय कर सकती है।
 - 5) रा;य सरकार ने पहले परि6नयम को जिस उप में अंततः जीवित फकया है उसे शासक@य राजपद में काशत करेगी और यह काशन क@ 6त1थ से लागू माना जाएगा।
- 20 झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

32.परवतX प0रनयम:-

- 1) इस अधिनयम और इसके बाद बनाये गये 6नयम, 4वाव4वर्षीय के परवत परि6नयम में 6न7नल8खत सभी या फकसी एक के बारे में यवथा दे सकता है, यथा-
 - a) 4वाव4वर्षीय के नये ाधकार का सृजन;
 - b) लेखा नीत और 4वर्तीय फर्षा;
 - c) 4वाव4वर्षीय के धकार में शुक का 6त6न1थक;
 - d) नए 4वर्षा का 6नमाडण और वतमान 4वर्षा का उमूलन अथवा पुनगाडठन;
 - e) पदक और पुरकार का 6नधाकरण;
 - f) पद के 6नमाडण और 4वर्लोपन क@ फर्षा;
 - g) शुक का पुनरुगण;
 - h) 4वर्षेन 4वर्षय में सीट क@ संख्या में बदलाव तथा
 - i) अय सभी मामल का परि6नयम वारा 6नधाकरण, जो इस अधिनयम में व8णत

ावधान के अंतगत आवायक ह।

- 2) पहले परि6नयम से इतर 4वाव4वर्षीय के परि6नयम का 6नमाडण शासी 6नकाय क@ सहमत से बंधन बोड वारा फकया जाएगा।
- 3) उप धारा (2) के अंतगत 6नमाडण परि6नयम को रा;य सरकार के समुत्तुत फकया जाएगा, जिसे वह जीवित करेगी अथवा यद आवायक समझे तो कुछ संशोधन के लिए परामश, 6नधाकरण

परिणयम कालित कालतथ से यथासंभव दो महाने के भीतर देगी।

4) रा;य सरकार वारा सुझाये गये संशोधनपर शासी नकाय वचार करेगा और पिनयमपर
मह

किये गये परिवर्तन के तहत सहमत अथवा राज्य सरकार द्वारा सुझाये संशोधन पर टिप्पणी

के साथ उसे वापस कर देगा।

5) रा;य सरकार शासी 6नकाय वारा क@ गयी <ट{प8णयP पर 4वचार करेगी तथा प;र6नयमP को

उबना संशोधन अथवा संशोधन के साथ जीवित करेगी और इसे शासक का राजपद में काशत

करायेगी जो काशन क@ 6त1थ से भावी होगा ।

झारखण्डगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 21

33. %થમ અ;યાદેશ:-

1) इस अधिनियम के अधीन 6 नमूने, पार 6 नमूने के तहत, थम अय्यादेश सभी मामले या 6 नमूने से कोई एक अथवा सभी का प्रबंध कर सकता है, यथा-

a) 4वाव4वयालय मH 4वया1थDयP का वेश और इस Zप मH नामांकन;

b) 4वाव4वयालय क@ uडWी, uड{लोमा एवं माण pd के लए अयययन हेतु पाठयपम का 6नधाडरण;

c) uडWी, uडपलोमा, माण pd और अेय अकादमक वैशqय दान करने हेतु eयूनतम योऽयता;

d) फेलोशिप, छात्रवृत्ति, वजीफा, पदक और पुरस्कार हेतु शत;

e) कायाDलय के ढनयमP और पर]गण ढनकाय, पर]गकP तथा मyयJथP क@ ढनयुि^त के तर]के स<हत पर]ग_ाओं का संचालन;

f) 4वमeन पाठयपमP क@ पर]gाओं, उपा1धयP और uड{लोमा के लए 4वाव4वयालय
वारा

लया जाने वाला शुनक;

g) 4वाँ वर्यालय के 4वाँ 1थDयP के 6नवास क@ शत□;

h) 4वया1थDयP के 4वZO अनुशासनाकमक कारDवाई संबंधी ावधान;

i) 4वाव4वयालय के अकादमक जीवन क@ उेन6त के लए आवायकता अनुभव Fकये जाने पर Fकसी 6नकाय के सजन, संयोजन और कायD पर 4वचार;

j) उच्च शिक्षा के अर्थव्यवस्था एवं संस्थान के साथ सहकारिता और सहयोग के तंत्र के:

k) ऐसे अ९य मामले िजनक@यवJथा अyयादेश के वारा इस अध6नयम के अ९तगDत आवायक है:

2) 4वाँ व4व्यालय का थम अय्यादेश बंधन बोर्ड वारा अनुमोदन के बाद कुल 1धप6त वारा बनाया जाएगा, िजसे अनुमोदन हेतु राय सरकार को त्तुत फकया जाएगा ।

3) उप धारा (2) के तहत रा:य सरकार कला धप6त वारा सXपे गये अyयादेश पर 4वचार करेगी

और जहाँ तक संभव होगा इसक@ ाि{त के साथ <दनP के भीतर वह इसे Jवीकृत करेगी या इसमH संशोधन हेतु सुझाव भी देगी ।

22

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई,2017

- 4) कुलाधप6त अय्यादेश के संदभD मH <दये गये संशोधन के सुझावP को शामिल करHगे अथवा रा;य सरकार वारा <दये गये सुझावP को शामिल नह]ं करने के कारण बताते हुए थम अय्यादेश को वापस भेजHगे । य<द कुछ हो तो रा;य सरकार इसक@ ाि{त के बाद कुलाधप6त क@ <ट{पणी पर 4वचार करेगी और संशोधन के साथ या Uबना Fकसी संशोधन के 4वाव4वयालय के थम अय्यादेश को रा;य सरकार शासक@य राजपd मH काशत करेगी, और यह काशन क@ 6त1थ से भावी होगा ।

34.परवतX अ;यादेश:-

- 1) सभी थम अय्यादेशP के अलावा अेय अय्यादेश अकादमक पारषद वारा बनाये जाएँगे जो शासी 6नकाय वारा अनुमो<दत Fकये जाने के बाद रा;य सरकार के सम8 अनुमोदन हेतु Jतुत Fकये जाएँगे ।
- 2) उपधारा (1) के तहत अकादमक पारष वारा सXपे गये अय्यादेश पर जहाँ तक संभव हो रा;य सरकार इसक@ ाि{त के दो माह के भीतर 4वचार करेगी और इसे Jवीकृत कर सकती है या इसमH संशोधन हेतु सुझाव दे सकेगी ।
- 3) अकादमक पारष या तो रा;य सरकार के सुझावP के अनुZप अय्यादेशP को संशो1धत करेगी या सुझावP को रा;य सरकार को पुनः उसे वापस सXपेगी, य<द कोई हो । रा;य सरकार अकादमक पारष क@ <ट{पणी पर 4वचार करेगी और अय्यादेशP को संशोधन के साथ या Uबना संशोधन के शासक@य राजपd मH काशत करेगी, और यह काशन क@ 6त1थ से भावी हो जाएगा ।

35.वनयम:-

ऐसे kयेक ा1धकार और ऐसे ा1धकार वारा बनायी गयी सम6तयP के लिए शासी 6नकाय क@ पूवD Jवीकृत से 4वाव4वयालय के ा1धकार] इस अ1ध6नयम के अनुकूल 6नयम, पार6नयमP और अधोल8खत अय्यादेशP के संगत 4व6नयम बना सकHगे ।

36.नदYश देने के राZय सरकार के अधिकार:-

- 1) शृण के Jतर, पर]gा और शोध तथा 4वाव4वयालय से संबंO Fकसी अेय मामले मH रा;य सरकार ऐसे लोगP, िजेहH वह उपयु^त समझती है, के वारा मूnयांकन करा सकेगी ।
- 2) ऐसे मूnयांकन के आधार पर सुधार के लिए रा;य सरकार अपनी अनुशंसाएँ 4वाव4वयालय को संे4षत करेगी। 4वाव4वयालय ऐसे सुधाराकमक उपाय और यkन करेगा ताFक इन अनुशंसाओं का अनुपालन सु6निचत Fकया जा सके ।

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई,2017 23

- 3) य<द 4वाव4वयालय उपधारा (2) के अंतगDत रा;य सरकार वारा क@ गयी अनुशंसा का पालन करने मH उ1चत समयाव1ध मH 4वफल रहता है तो रा;य सरकार उसे ऐसा 6नदvश दे सकेगी जैसा वह उपयु^त समझे । रा;य सरकार वारा <दये गये 6नदvशP का अनुपालन 4वाव4वयालय अ4वलंब करेगा ।

वववयालय क3 नधयाँ

37. &थायी नध:-

- 1) उद्देदाय-पd मH 6न<दDqट राश के साथ वतDक 6नकाय 4वाव4वयालय के लिए एक Jथायी कोष क@ Jथापना करेगा ।

- 2) 4वाव4वयालय के इस अ1ध6नयम का अनुपालन तथा अ1ध6नयम, पार6नयम तथा अय्यादेशP के अनुसार संचालन को सु6निचत करने हेतु जथायी 6न1ध का उपयोग जमानत जमा राश के ZP मH होगा । य<द 4वाव4वयालय अथवा वतDक 6नकाय इन अ1ध6नयम, पार6नयमP और अय्यादेशP के अनुकूल ावधानP का अनुपालन नह]ं करता है तब रा;य सरकार को यह पूर] राश अथवा इसका एक <हJसा/अंश ज□त कर लेने का अ1धकार होगा ।
- 3) 4वाव4वयालय इस जथायी कोष से हुई आमदनी का उपयोग 4वाव4वयालय के आधारभूत ढाँचे के 4वकास के लए कर सकेगा, 4वाव4वयालय के <दनानु<दन [यय के लए नह]ं ।
- 4) 4वाव4वयालय के 4वघटन तक जथायी कोष क@ राश ऐसे साधनP मH 6नवेशत क@ जाएगी जैसा सरकार वारा 6नवेश हेतु 6नदवशत Fकया जाएगा ।
- 5) द]घाDव1ध क@ 6तभू6त क@ िजथ6त मH, 6तभू6तयP का माण-पd सरकार के सुरfुत संरुण मH

रखा जाएगा और [यि^तगत जमा खातP के □याज को सरकार] खजाने मH जमा Fकया जाएगा ।

शकतD यह है Fक सरकार के आदेश के ँबना यह राश 6नकाल] नह]ं जा सकेगी ।

38.सामाQय नध:-

- 1) 4वाव4वयालय एक कोष क@ जथापना करेगा, िजसे सामाेय कोष कहा जाएगा, िजसमH 6न7नांFकत राशयाँ जमा हPगी:
 - a) 4वाव4वयालय वारा ा{त शgण एवं अेय शुनक;
 - b) वतDक 6नकाय वारा दकत कोई भी राश;
 - c) अपने ल□य-स4O के pम मH 4वाव4वयालय के Fकसी भी उपपम, यथा-परामशD आ<द से

ा{त कोई भी राश;

24

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

- d) ेयासP, वसीयतP, दान, वृिक्तदान और Fकसी भी अेय कार का अनुदानतथा
- e) 4वाव4वयालय वारा ा{त अेय सार] धनराश ।
- 2) सामाेय कोष का उपयोग 6न7नल8खत मदP मH Fकया जाएगा, यथा -
 - a) इस अ1ध6नयम और पार6नयमP, अय्यादेशP और शासी 6नकाय क@ पूवD Jवीकृ6त के साथ

4वाव4वयालय वारा लये गये ऋण तथा उसके □याज के भुगतान हेतु;
 - b) 4वाव4वयालय क@ पारसंप6तयP के रख-रखाव हेतु;
 - c) धारा 7 एवं 8 के अंतगDत 4व6नमDत 6न1धयP के लेखा-पर]gण के लए भुगतान Fकया

गया शुनक;
 - d) 4वाव4वयालय के पg अथवा 4वपg मH दायर वादP पर हुए खचD के 6नqपादन हेतु ;
 - e) अ1धकाारयP, कमDचाारयP, शgकP एवं शोध-अ1धकाारयP के वेतन, भक्ते, भ4वqय-6न1ध

अंशदान, Wैन्यूट] और अेय सुवधाओं के भुगतान हेतु;

f) शासी 6नकाय, कायDकार] परिषद, अकादमक परिषद और अेय ाIधकारP तथा वतDक

6नकाय के अययुग अथवा Fकसी सङ्गम अIधकार] वारा Fकये गये यादा-यय एवं अेय

भक्तP के भुगतान हेतु;

g) फेलोशप, 6नःशुनक शङ्गण, छादवृिकतयP, असJटHटशप तथा समाज के कमजोर आIथDक

वगD के छादP को <दये गये पुरJकारP और शोध सहायकP, शङ्गुओं अथवा जैसी िJथ6त

हो अIध6नयमP, परि6नयमP और 6नयमP के अनुकूल Fकसी भी अहDता ा{त 4वयाथz के

भुगतान हेतु;

h) अIध6नयम के ावधानP, परि6नयमP, अययादेशP, 4व6नयमP के अनुपालन मH 4वाव4वयालय

वारा यय क@ गयी Fकसी भी राश के भुगतान हेतु;

i) वतDक 6नकाय वारा 4वाव4वयालय क@ Jथापना और इस संदभD मH Fकये गये 6नवेशP

क@ मूल लागत, जो समय-समय पर भारतीय Jटेड बVक के ऋण दान क@ दर से अIधक

नह]ं हो, के भुगतान के लिए ।

j) इस अIध6नयम के परि6नयमP, 6नयमP, अययादेशP के पालन मH 4वाव4वयालय वारा

Fकये गये यय के भुगतान हेतु;

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 25

k) Fकसी संJथान वारा 4वशेष सेवा देने के दा6यकव, 4वाव4वयालय को बंधन-सेवा स<हत शासी 6नकाय वारा 4वाव4वयालय के लिए Jवीकृत ऐसे ययP अथवा संबंO अेय कायs के भुगतान हेतु;

बशतv Fक कुल आवतz यय और उस वषD के लिए 6नधाDिरत अनावतz यय जैसा शासी 6नकाय वारा 6निचत Fकया गया है, से अIधक यय ँबना शासी 6नकाय क@ पूवD Jवीकृत के नह]ं Fकया जा सकेगा ।

लेखा, अंके,ण एवं वाष?क %तवेदन

39.वाष?क %तवेदन:-

4वाव4वयालय का वा4षDक 6तवेदन 4वाव4वयालय वारा तैयार Fकया जाएगा िजसमH अेय मामलP समेत, 4वाव4वयालय वारा उोेयP क@ पू6तD के लिए उठाये गये कदम शामिल हPगे और इसे रा;य सरकार को सXपा जाएगा ।

40.अंके,ण एवं वाष?क %तवेदन:-

1) 4वाव4वयालय का वा4षDक लेखा बVलेस शीट स<हत 4वाव4वयालय वारा तैयार Fकया जाएगा और वा4षDक लेखा का अंकेण वषD मH कम से कम एक बार 4वाव4वयालय वारा इस उोेय से 6नयुत अंकेणP वारा कराया जाएगा और आIथDक 1चोा रा;य सरकार वारा 6नयुत अंकेण के वारा जांचा/सकया4पत Fकया जायगा ।

- 2) वा4षDक लेखा क@ एक 6त अंकेगुण 6तवेदन के साथ रा;य सरकार को Jतुत करनी होगी ।

वववयालय को समेटना

41.वववयालय का समापन:-

- 1) य<द वतDक 6नकाय 4व1ध स7मतढंग से इसके गठन तथा 6नगमीकरण के ावधानP के अेतगDत Jवयं को भंग करना चाहे तो इसक@ सूचना कम से कम छह महJने पहले रा;य सरकार को देनी होगी ।
- 2) रा;य सरकार ऐसी सूचना (भंग करने संबंधी) ाJत करने के पाचात्, जैसी आवायकता होगी उसके अनु-प भंग Fकये जाने क@ 6त1थ से 4वाव4वयालय के शासन क@ JवJथा वतDक 6नकाय के 4वघटन के बाद आ8खरJ सd के 4वया1थDयP, जो 4वाव4वयालय मH नामांFकत हV, के पाoyपम पूरा होने तक करेगी और सरकार वतDक 6नकाय के Jथान पर 4वाव4वयालय के संचालन के लए एक शासक क@ 6नयुि^त कर सकेगी, िजसे वतDक 6नकाय के आधकार, कतDय और कायD सXपे जाएँगे, जैसा इस आध6नयम मH व8णDत है ।

26

झारखडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई,2017

42.वववयालय का वघटन:-

- a) वतDक 6नकाय य<द 4वाव4वयालय को भंग करने क@ इरछा रखता है, तो उसे रा;य सरकार को एत-संबंधी सूचना 6नधाDिरत तरJके से देनी होगी। रा;य सरकार वारा यथो1चत 4वचार के पाचात् 6नधाDिरत तरJके से 4वाव4वयालय को 4वघ<टत Fकया जा सकेगा ।
बशक्तv Fक 4वाव4वयालय का 4वघटन तभी भावी होगा जब तक Fक 6नयमत पाoyपम के 4वया1थDयP का आ8खरJ सd अपना पाoyपम पूरा नहJं कर लेता है और उन सबको uडWी (उपा1ध), uड{लोमा अथवा िजस तरह के 4वषय हP, ाJत हो जाएँ ।
- b) जैसा Fक तरJका 6नधाDिरत है 4वाव4वयालय का 4वघटन होने पर उसक@ सभी संप6तयाँ और देनदाऱयाँ वतDक 6नकाय मH 6न<हत हPगी ।
- c) उप-धारा (1) के तहत रा;य सरकार य<द 4वाव4वयालय को 4वघ<टत करने का 6नणDय लेती है, तो 6नधाDिरत तरJके से समान उ□ेय वालJ सोसाइ<टयP मH 4वाव4वयालय के 4वघटन तक उप- धारा (1) के ावधानP के तहत इसके शासी 6नकाय क@ शि^तयाँ 6न<हत कर सकेगी ।

43.वशेष प0रि&थतयJ मV राZय सरकार क3 व(शJट शिDतयाँ:-

- 1) रा;य सरकार क@ य<द यह राय है Fक 4वाव4वयालय ने आध6नयमP, 6नयमP, पार6नयमP अथवा अ्ययादेशP मH से Fकसी का उनलंघन Fकया है और 4वक्तीय कुबंधन अथवा कु-शासन क@ िJथ6त 4वाव4वयालय मH उkpेन हो गयी है, तो वह 4वाव4वयालय को कारण बताओ सूचना जारJ कर पVतालJस <दनP के भीतर इस आशय का उक्तर मांगेगी Fक ^यP नहJं एक शासक क@ 6नयुि^त कर दJ जाय ।
- 2) 4वाव4वयालय वारा उपधारा (1) के अंतगDत दJ गयी सूचना पर <दये गये उक्तर से य<द रा;य सरकार संतुqट है Fक इस आध6नयम, 6नयमP, पार6नयमP और अ्ययादेशP के Fकसी भी ावधान का थम □qटया उनलंघन हुआ है अथवा इस आध6नयम के वारा <दये गये 6नदवशाP के 6तकूल 4वक्तीय कुबंधन अथवा कु-शासन है तो वह ऐसी जाँच करायेगी, िजसे वह आवायक समझे ।
- 3) उप-धारा (2) के तहत रा;य सरकार ऐसी Fकसी जाँच के उ□ेय से जाँच-आधकारJ या आधकारयP को 6नयु^त करेगी, जो Fकसी भी आरोप पर अपना 6तवेदन Jतुत करHगे ।
- 4) उप-धारा (3) के अंतगDत 6नयु^त जाँच आधकारJ या आधकारयP के पास वहJ शि^तयाँ हPगी जो दJवानी अदालत वारा दJवानी वाद के मामलP क@ सुनवाई के दौरान दJवानी Fpया, 1908 मH दकत हV, यथा-

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 27

- a) Fकसी यि^त को बुलाने और उसक[@] हा[ि]जर] को अ⁶नवाय^D करने और शपथ <दलाकर उनक[@] जाँच करना;
 - b) माण के लए आवायक खोज और ऐसे द^जतावेज या दूसर] अ^eय साम^Wी ^Dतुत करने का ⁶नद^vश देना;
 - c) Fकसी भी अदालत या काया^Dलय से कोई द^जतावेज मंगाना ।
- 5) उप-धारा (3) के अंतग^Dत ⁶नयु^त अ¹धकार] या अ¹धकाⁱरय^P क[@] जाँच ⁱरपोट^D ा[{]त होने के बाद य[<]द रा;य सरकार संतु^qट है Fक 4वाव⁴वयालय ने इस अ¹ध⁶नयम के ावधान के सभी अथवा Fकसी ावधान का उⁿलंघन Fकया है, ⁶नयम^P, पⁱर⁶नयम^P अथवा अ^yयादेश^P का उⁿलंघन Fकया है अथवा सरकार वारा द^kत ⁶नद^vश^P का उⁿलंघन Fकया है या 4व^kतीय कु-बंधन और कुशासन क[@] ि^Jथ⁶त 4वाव⁴वयालय म^H ऐसी हो गयी है Fक उसके अकादमक ^Jतर पर ¹न-¹च[□]न खड़ा हो गया हो, तो सरकार एक शासक ⁶नयु^त कर सकती है ।
- 6) उप-धारा (5) के अंतग^Dत ⁶नयु^त शासक इस अ¹ध⁶नयम के तहत बनाये गये शासी ⁶नकाय अथवा बंधन बोड^D के सारे कत^Dय^P का ⁶नव^Dहन करेगा और तब तक 4वाव⁴वयालय क[@] ग⁶त⁴व¹धय^P का संचालन करेगा जब तक ⁶नयमत पा^oय^pम के 4वया¹थ^Dय^P का आ⁸खर] स^d अपना पा^oय^pम पूरा नह[ं] कर लेता और उ^eह^H उड¹Wयौं या उड[{]लोमा न दे द^ज जायँ ।
- 7) आ⁸खर] स^d को उड¹Wयौं या उड[{]लोमा या जैसी ि^Jथ⁶त हो, के दान के बाद शासक इस आशय क[@] ⁱरपोट^D रा;य सरकार को देगा ।
- 8) उप-धारा (7) के अंतग^Dत ⁱरपोट^D ा[{]त होने पर रा;य सरकार 4वाव⁴वयालय को 4वघ[<]टत कर देगी और 4वाव⁴वयालय के 4वघ^Tन के बाद इसक[@] सार] पⁱरसं^pि^kतयौं और देनदाⁱरयौं वत^Dक ⁶नकाय म^H ⁶न[<]हत हो जाएंगी ।

अQयाQय

44.नयम बनाने के (लए रा^Zय सरकार क³ शि^Dत:-

- 1) इस अ¹ध⁶नयम के उ[□]ेय^P के ⁶नव^Dहन के लए शासक[@]य राजप^d म^H अ¹धसूचना जार] करके रा;य सरकार ⁶नयम बनाएगी ।
- 2) रा;य 4वधानमंडल के सम^g इस धारा के अंतग^Dत बनाये गये सारे ⁶नयम^P को कम से कम 30 <दन^P के लए रखा जाएगा और रा;य 4वधानमंडल को यह अ¹धकार होगा Fक वह इसका ⁶नरसन कर दे अथवा अपे^fुत पⁱरवत^Dन कर दे अथवा ऐसे पⁱरवत^Dन िजसे 4वधानमंडल के उसी स^d म^H या उसके ठ[□]क बाद वाले स^d म^H Fकया गया हो ।

28

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

45.वयाथ?य^J के पा[^]य_म का समापन:-

इस अ¹ध⁶नयम अथवा पⁱर⁶नयम म^H Fकसी बात के होते हुए भी अंगीभूत महा⁴वयालय^P अथवा 4वाव⁴वयालय क[@] अनुसूची म^H 4व⁶न<द^Dq^T इस अ¹ध⁶नयम के लागू होने के तुरत पहले कोई भी अ^yययनरत 4वयाथ^z या जो इस 4वाव⁴वयालय क[@] Fकसी पर]ग[ा] म^H सि⁷मलत होने का अ¹धकार] था उसे अपना पा^oय^pम पूरा करने क[@] अनुम⁶त द^ज जाएगी और ऐसे 4वया¹थ^Dय^P के श^gण, श^gण और पर]ग[ा] क[@] िज⁷मेदार] संब^O 4वाव⁴वयालय पर तब तक होगी जैसा ⁶न<द^Dq^T Fकया गया हो ।

46.क[^]ठनाइय^J को दूर करने क³ शि^Dत:-

- 1) य[<]द इस अ¹ध⁶नयम के Fकसी ावधान को लागू करने म^H क[<]ठनाई उपि^Jथत हो रह] हो तो शासक[@]य राजप^d म^H काशत आदेश के वारा रा;य सरकार इस अ¹ध⁶नयम के ावधान^P को य^yान म^H रखते हुए क[<]ठनाइय^P को शी[□] दूर करने के लए आवायक कदम उठायेगी ।

बशकतव इस अ1ध6नयम के ारंभ के तीन वषs के बाद उप धारा (1) के अंतगDत ऐसा कोई आदेश पाऱरत नहणं Fकया जाएगा ।

- 2) इस अ1ध6नयम के अंतगDत पाऱरत कयेक आदेश को अ4वलंब रा;य 4वधानमंडल के समg रखा जाएगा ।

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 29

अनुसूची - ए (A)

(1) एकल भाव-gेद के लिए मु#य पऱरसर मH कम से कम 10 एकड़ जमीन उपल□ध कराना होगा और बहु भाव गेद के लिए 25 एकड़, जो Fक 4वाव4वयालय क@ Jथापना के दो वषs के अेदर करना होगा । एक@कृत कV पस मH ेगृागृह, कैफेटेरया, छादावास इक्या<द ऐसी सु4वधायH हो सकती हV, अतः जमीन क@ आवायकता मH तदनुसार बदलाव हो सकता है ।

(2) eयूनतम एक हजार वगD मीटर का शासक@य भवन, शैfगक भवन, िजसमH पुJतकालय, |या#यान कg, योगशालाएँ हP वह अनपतम 10 हजार वगD मीटर क@ हPगी, शgकP के लिए पयाD{त आवासीय |यवJथा, अ6त1थ गृह, छादावास िजसे pमशः इतना बढ़ाया जायेगा Fक 4वया1थDयP क@ कुल सं#या का कम से कम 256तशत उसमH रह सके, ऐसा अिJतकव मH आने के तीन वषs के भीतर करना होगा। अगर 4वाव4वयालय |यावसा6यक शgा का कायDpम कराता है तो उसके लिए वैधा6नक 6नकाय वारा Fकये गये मानकP तथा मानदंडP को Jवीकार करना होगा। रा;य सरकार वारा 6नधाDऱरत मानकP के आधार पर 4वयमान संJथान 4वJतार /पुनZOार/पुनरDचना करेगा ।

झारखंड रा;यपाल के आदेश से,

%वास कुमार

(संह,

धान स1चव-सह-4व1ध

परामशZ

4व1ध 4वभाग,

झारखंड, राँची।

30

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

वध (वधान) वभाग

अ1धसूचना

4 जुलाई, 2017

संया-एल०जी०-02/2017-70/लेज०-- झारखंड 4वधान मंडल वारा यथा पाऱरत और रा;यपाल वारा

<दनांक 31मई, 2017 को अनुमत **सरला बरला वववयालय अधनयम, 2017** का 6न7नांFकत अंWेजी

अनुवाद झारखंड रा;यपाल के ा1धकार से इसके वारा काशत Fकया जाता है िजसे भारतीय सं4वधान के

अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन उ^त अ1ध6नयम का अंWेजी भाषा मH ा1धकृत पाठ समझा जाएगा ।

THE SARLA BIRLA UNIVERSITY ACT, 2017

(JHARKHAND ACT, 13, 2017)

An Act to provide for the establishment and incorporation of the **SARLA BIRLA UNIVERSITY** in the State of Jharkhand, and to confer the status of a Private University thereon and for matters connected therewith and incidental thereto;

WHEREAS it is expedient to provide for the establishment and incorporation of the **SARLA BIRLA UNIVERSITY** at RANCHI, Jharkhand promoted by Bharat Arogya And GyanMandir, Birla Campus, Vill.- Ara, P.O.- Mahilong, Ranchi- Puruliya Highway, Ranchi- 835 103 (Trust/Society) created and registered under the West Bengal Societies Registration Act, 1961 Reg.No. S/19480 dt. 29.05.90, and to confer the status of a Private University thereon and for the matters connected therewith and incidental thereto;

It is hereby enacted in the Sixty-Eighth year of the Republic of India, by the Legislature of Jharkhand, as follows:

1.Short Title, Extent and Commencement.

(1)This Bill may be called "**TheSARLA BIRLA UNIVERSITY Act, 2017**".

(2)It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.

2.Definitions.

In this Act, unless the context otherwise requires:

(a) "Academic Council" means the Academic Council of the University as specified in section 24 of the Act;

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 31

(b) "Annual Report" means the Annual report of the University as referred to in section 39 of the Act;

(c) "Board of Management" means the Board of Management of the University as constituted under section 23 of the Act;

(d) "Campus" means the total area of the university in which it is established;

(e) "Chancellor" means the Chancellor of the University appointed under section 12 of the Act;

(f) "The Chief Finance and Accounts Officer" means the Chief Finance and Accounts Officer" of the University appointed under section 18 of the Act;

(g) "Controller of Examinations" means the Controller of Examinations of the University appointed under section 19 of the Act;

(h) "Constituent College" means a college or an institution maintained by the University;

(i) "Employee" means employee appointed by the University; and includes teachers and others staff of the University or of a constituent college;

(j) "Endowment fund" means the endowment fund of the University established under section 37 of the Act;

(k) "Faculty" means group of academic departments of similar disciplines;

(l) "Fee" means collection made by the university from the students for the purpose of any course of study and incidental thereto, in the University;

(m) "General Fund" means the General fund of the University established under section 38 of the Act;

(n) "Governing Body" means the Governing Body of the University constituted under section 22 of the Act;

(o) "National Assessment and Accreditation Council" means National Assessment and Accreditation Council, Bengaluru, an autonomous institution of the University Grants Commission;

(p) "Prescribed" means prescribed by the Statutes and the rules made under this Act;

(q) "ProVice-Chancellor" means the Pro-Vice-Chancellor of the University appointed under section 15 of the Act;

32

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

- (r) "Registrar" means the Registrar of the University appointed under section 17 of the Act;
- (s) "Regulatory Body" means a body established by the Government of India for laying down norms and conditions for ensuring academic standards of higher education, such as University Grants Commission, All India Council for Technical Education, National Council for Teacher Education, Medical Council of India, Bar Council of India, Pharmacy Council of India, National Assessment and Accreditation Council, Indian Nursing Council, Indian Council of Agriculture Research, Council of Scientific and Industrial Research, etc. and includes the Government or any such body constituted by the Government of India or the State Government;
- (t) "Rules" means the rule of the University made under this Act;
- (u) "Schedule" means schedule appended to this Act;
- (v) "Sponsoring Body" in relation to the university means (i) a society registered under Societies Registration Act 1860, or (ii) a public trust registered under Indian Trust Act 1882, or (iii) a society or trust registered under the law of any other State;
- (w) "State Government" means the State Government of Jharkhand;
- (x) "Statutes", "Ordinances", and "Regulations" mean respectively, the Statutes, Ordinances and Regulations of the University made under this Act;
- (y) "Student of the university" means a person enrolled in the university for taking a course of study for a degree, diploma, or other academic distinction duly instituted by the university, including a research degree;
- (z) "Teacher" means a Professor, Associate Professor, Assistant Professor or such of the other person as may be appointed for imparting instruction or conducting research in the University or in a Constituent College or Institution and includes the Principal of a Constituent College or institution, in conformity with the norms prescribed by the University Grants Commission;
- (aa) "University Grants Commission" means the University Grants Commission established under the University Grants commission Act, 1956;
- (ab) "University" means the **SARLA BIRLA UNIVERSITY**, Jharkhand established under this Act.
- (ac) "Vice-Chancellor" means the Vice-Chancellor of the University appointed under section 13 of the Act;

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 33

(ad) "Visitor" means the Visitor of the University referred to in section 10 of the Act.

3. Establishment of University.

- (1) There shall be established the University by the name '**SARLA BIRLA UNIVERSITY**'
- (2) The headquarters of the University shall be within the State of Jharkhand and shall be situated at Ranchi.

- (3) The University shall start operation only after the State Government issues the letter of authorization.
- (4) The university shall meet the conditions mentioned in the schedule A of the Act within the stipulated time.
- (5) The Governing Body, the Board of Management, the Academic Council, the Chancellor, the Vice Chancellor, the Pro Vice Chancellor, the Registrar, the Teachers, the Chief Finance and Accounts Officer and such other officers or members or authorities so long as they continue to hold such office or membership of the University hereby constitute a body corporate by the name of the University.
- (6) The University shall function as non-affiliating University and they shall not affiliate any other college or institute for the conferment of degree, diploma and for grant of certificate to the students admitted therein.
- (7) The constituent colleges and institutions of the Sponsoring Body affiliated to and enjoying the privileges of any University immediately before the commencement of this Act shall cease to be affiliated from that University and shall be deemed to be withdrawn from such privileges from the date of commencement of this Act and shall be deemed to be admitted to the privileges of **SARLA BIRLA UNIVERSITY**. University of the Sponsoring Body and all such colleges and institutions shall be the constituent colleges and institutions of **SARLA BIRLA UNIVERSITY**.
- (8) The University shall be a body corporate by the name '**SARLA BIRLA UNIVERSITY**' and will have perpetual succession and common seal with power, subject to the provisions of this Act, to acquire and hold property, to contract and shall, by the said name, sue or be sued.
- (9) The University shall not receive any grant-in-aid or other financial assistance from the State Government or the Central Government.

34

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

Provided that, the State Government or the Central Government may provide financial support, including through grants or otherwise

- (a) for research, development and other activities for which other State Government organizations are provided financial assistance, or
- (b) for any specific research or programme based activity.

4. Properties of the University and its Application.

- (1) On the establishment of the University the land and other movable and immovable properties acquired, created, arranged, or built by the University for the purpose of the University in the State of Jharkhand shall vest in the University.
- (2) The land, building and other properties acquired for the University shall not be used for any purpose other than that for which the same is acquired.
- (3) The properties, movable or immovable, of the university shall be administered by the Governing Body in such manner as may be provided for by the regulations.
- (4) The properties in the name of the university under sub-section (1) shall be applied for meeting the liabilities of the university in the event of

dissolution or winding up of the university in such manner as may be prescribed in the rules.

5. Restrictions and obligations of the University.

(1) The tuition fees for professional courses such as Engineering & Technology, Medicine, Management, etc., in the university shall be determined by the University under the supervision of the regulatory body notified by the State Government from time to time.

(2) Admission in the University shall be strictly on the basis of merit. Merit for admission in the University may be determined either on the basis of marks or grade obtained in the qualifying examination and achievements in co-curricular and extra-curricular activities or on the basis of marks or grade obtained in the entrance test conducted at State level either by the University or an association of the Universities conducting similar courses or by any agency of the State Government.

Provided that the admission in professional educational colleges or institutions of the University shall be governed under the provisions of the Regulatory Bodies.

(3) The university shall allow merit scholarship to at least five percent of the total strength, to the students belonging to poor and economically backward classes. The relevant

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 35

criteria for determining the poor and economically backward classes shall be such as may be determined by the State Government from time to time.

(4) The university shall compulsorily make provisions for reservation of seats for the students domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least twenty five percent of the total students in the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.

(5) The university shall make provisions for reservation of non-teaching posts in the university for the persons domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least fifty percent of the total number of non-teaching posts of the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.

(6) The university shall appoint adequate number of teachers and officers in the University for maintaining the academic standards specified and shall ensure that the qualifications of such teachers or officers of the university shall not be lower than prescribed by the relevant Regulatory Bodies.

(7) The university shall compulsorily place in the public domain every information in relation to the University which would be of interest to the students and other stakeholders *inter alia*, including the courses offered, number of seats under different categories, fees and other charges, facilities and amenities offered, faculty in place and such other relevant information.

(8) The Convocations of the University may, for conferring degrees, diplomas or for any other purpose, be held in every academic year in the manner as may be prescribed by the Statutes.

(9) The University shall obtain accreditation from the National Council of Assessment and Accreditation (NAAC) within five years of its establishment

and such other regulating bodies of Government of India which are connected with the courses taken up by the University and inform the State Government about the grade provided to the University. The University shall get renewed such accreditation from time to time.

- (10) Notwithstanding anything contained in this Act, the University shall be bound to comply the conditions mentioned in Schedule A of this Act, and all the rules, regulations, norms, etc. of the regulating bodies of Government of India and State Government and provide all such facilities and assistance to such bodies as are required by them to discharge their duties and carry out their functions.

36

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

6. Objects of the University.

The objects of the University shall be to disseminate and advance knowledge and skill by providing instructional, research and extension of facilities and in such branches of learning as it may deem fit and the University shall endeavour to provide to students and teachers the necessary atmosphere and facilities for the promotion of:

- (a) Innovations in education leading to restructuring of courses, new methods of teaching, training, and learning including online learning, blended learning, continuing education and such other modes and integrated and wholesome development of personality;
- (b) Studies in various disciplines;
- (c) Inter disciplinary studies;
- (d) National integration, secularism and social equity and International understanding and ethics.

7. University shall open to all irrespective of sex, religion, class, colour, creed, or opinion.

No person shall be discriminated against or be excluded from any office of the university or from membership of any of its authorities or from admission to any course of study leading to a degree, diploma or other academic distinction on the grounds of sex, race, creed, class, caste, place of birth and religious belief or political or other opinion.

8. Powers and functions of the University.

- (i) To administer and manage the University, establish, administer and manage its constituent colleges and centres for research, education, training, extension and outreach including continuing education, distance learning and e-learning at its campus within the State of Jharkhand;
- (ii) To provide for research, higher education, professional education, teaching training, extension and outreach including continuing education, distance learning and e-learning in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other fields;
- (iii) To conduct innovative experiments in educational technologies, teaching and learning methods, to collaborate with national and international institutions and to offer joint programmes with such institutes to constantly improve the delivery of education and to achieve international standards of education;
- (iv)

To prescribe courses, curricula and methodologies including electronic and distance learning and provide for flexibility in the delivery of education.

(v) To hold examination and confer degree, diploma or grant certificate and other academic distinctions or title on persons subject to such condition as the University may

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 37

determine and to withdraw or cancel any such degree, diploma or certificates and other academic distinction or titles in the manner prescribed by the Regulations;

(vi) to institute and award fellowships, scholarships, medals and prizes;

(vii) to confer honorary degrees or other distinction on the manner prescribed by the Statutes;

(viii) to establish schools, centres, institutes, college and conduct the programme and courses of study as are in the opinion of the University, necessary for the furtherance of its objects;

(ix) To declare as a constituent college any college, centre, institution imparting education as are in the opinion on the University necessary for the furtherance of its objects or to establish a new constituent college, centre, institution for the purpose;

(x) To provide for printing, publication and reproduction of research, educational material and other works and to organize exhibitions, conferences, workshops and seminars; (xi) To establish knowledge resource centre;

(xii)

To sponsor and undertake research and educational programmes in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other allied areas;

(xiii) To collaborate or associate with any educational institution with like or similar objects; (xiv) To establish campuses including virtual campus for the purpose of achieving the objectives of the University;

(xv) To undertake research and to obtain registration in respect of such research in the nature of patents, design rights and such or similar rights with the competent authorities; (xvi) To maintain linkages and collaborate with educational or other

institutions in any part of the world having objects wholly or partially similar to those of the University, through exchange of students, researchers, faculty and staff and generally in such manner as may be conducive to their common objects;

(xvii) To render services of research, training, consultancy and such other services as required for the purposes of the University;

(xviii) To develop and maintain relationships with faculty, researchers, administrators and domain experts in science, technology, humanities, social sciences, education, management, law, commerce, pharmacy, healthcare and allied area for achieving the objects of the University;

(xix) to make special arrangement in respect to women and other disadvantaged students as the University may consider desirable;

(xx) To regulate the expenditure and to manage the finances and to maintain the accounts of the University;

other resources from business, industry, other sections of society, national and international organization or any other source by transfers or as gifts, donations, benefactions or bequests for the purposes and objects of the University;

(xxii) To establish, maintain and manage halls, hostels for students and quarters for the residence of faculty and staff;

(xxiii) To construct, manage and maintain centres, complexes, auditorium, buildings, stadium for the advancement of sports, cultural, co-curricular and extra-curricular activities;

(xxiv) To supervise and control the residence and regulate the discipline of students, faculty and staff of the University and to make arrangements for promoting their health, general welfare, social and cultural activities;

(xxv) To fix, demand and receive or recover fees and such other charges as may be prescribed by the Statutes;

(xxvi) To institute and award fellowships, scholarships, prizes, medals and other awards;

(xxvii) To purchase or to take on lease or accept as gifts, bequests, legacies or otherwise any land or building or works which may be necessary or convenient for the purpose of the University and on such terms and conditions as it may think fit and proper and to construct or alter and maintain any such building or works;

(xxviii) To sell, exchange, lease or otherwise dispose of all or any portion of the properties of the University, movable or immovable, on such terms as it may think fit and consistent with the interest, activities and objects of the University;

(xxix) To draw and accept, to make and endorse, to discount and negotiate promissory notes, bills of exchange, cheques and other negotiable instruments;

(xxx) To raise and borrow money on bond, mortgages, promissory notes or other obligations or securities founded or based upon all or any of the properties and assets of the University or without any securities and upon such terms and conditions as it may think fit and to pay all expenses out of the funds of the University,

9. Bar to affiliation.

- (1) The University shall not admit any college or institution to the privilege of affiliation.
- (2) The University may open any off campus, offshore campus, and studycentre, examination centre in or out of the State of Jharkhand only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government or State or Central Government, as the case may be.
- (3) Courses under Distance mode can be started only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government.

झारखण्डगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 39

10. The Visitor.

- (1) The Governor of Jharkhand will be the Visitor of the University
- (2) The Visitor shall, when present, preside at the convocation of the University for Conferring Degrees, Diplomas, charters, Designation and certificates.
- (3) The Visitor shall have the right to visit the University or any institution maintained by the University to ensure the standard of education, discipline, decorum and proper functioning of the university.

11. Officers of the University.

The following shall be the officers of the University:

- (a)The Chancellor
- (b)The Vice Chancellor
- (c)The Pro Vice Chancellor
- (d)Director/Principal
- (e)The Registrar
- (f)The Chief Finance and Accounts Officer
- (g)The Controller of Examinations
- (h)The Dean of Students Welfare
- (i)The Dean of Faculty
- (j)The Proctor, and
- (k)Such other officers as may be declared by the Statute to the officers of the University.

12. The Chancellor:

- (1) The Chancellor shall be appointed by the Sponsoring Body for a period of five years with the approval of the Visitor by following such procedures and on such terms and conditions as may be prescribed. On the expiry of the term, the Chancellor may be reappointed by the Sponsoring Body in consultation with the Visitor.
- (2) The Chancellor by virtue of his office shall be the head of the University.
- (3) The Chancellor shall preside over the meetings of the Governing Body and shall, when the Visitor is not present, preside over the convocation of the University for conferring degrees, diplomas, or other academic distinctions.
- (4) The Chancellor may in writing under his hand addressed to the head of the sponsoring body resign his office.

40

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

- (5) The Chancellor shall have the following powers, namely:
 - (a) to call for any information or record;
 - (b) to appoint the Vice Chancellor;
 - (c) to remove the Vice Chancellor in accordance with the provisions of this Act;
 - and
 - (d) such other powers as may be conferred on him by this Act or Statutes made thereunder.

13. The Vice Chancellor:

- (1) The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor as per the qualifications prescribed by the University Grants Commission and shall hold office for a period of five years .Provided that a person appointed as Vice Chancellor shall retire from office during tenure of his office or extension thereof, if any when he completes the age of 70 years.

Provided further that after the expiry of the term of fiveyears, the Vice

Chancellor shall be eligible for re-appointment for another term of five years.

- (2) The Vice Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the

University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the

university and shall execute the decisions of various authorities of the university.

- (3) In the absence of both the Visitor and the Chancellor, the Vice Chancellor shall preside

over the convocation of the university.

- (4) The Vice Chancellor may, if he/she is of the opinion that immediate action is necessary

on any matter, exercise any power conferred on any authority of the University by or

under this Act and shall convey to such authority the action taken by him on such

matters;

Provided that if the authority of the University or any person in the service of

the University who is aggrieved by the action taken by the Vice Chancellor under this

sub section may prefer an appeal to the Chancellor within one month from the date of

communication of such decision. The Chancellor may confirm, modify or reverse

action taken by the Vice Chancellor.

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 41

- (5) The Vice Chancellor shall exercise such powers and perform such other functions as

may be prescribed.

14. Removal of the Vice Chancellor.

- (1) If at any time and after such inquiry as may be considered necessary, it appears to the

Chancellor that the Vice Chancellor:

- (a) has failed to discharge any duty imposed upon him by or under this Act, the

Statutes, the Ordinances, or

- (b) has acted in a manner prejudicial to the interests of the university, or

- (c) is incapable of managing the affairs of the university, then the Chancellor may,

notwithstanding the fact that the term of office of the Vice Chancellor has not

expired, require the Vice Chancellor, by an order in writing stating the reason

therefor, to resign his post from the date as may be specified in the order.

- (2) No orders under sub –section (1) shall be passed unless a notice stating the specific grounds on which such action is proposed , has been served and a reasonable opportunity to show cause against the proposed order has been given to the Vice Chancellor.

15. The Pro Vice-Chancellor:

- (1) The Pro Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.
- (2) The Pro Vice-Chancellor appointed under sub section (1) shall discharge his duties in addition to his duties as a Professor.
- (3) The Pro Vice-Chancellor shall assist the Vice Chancellor in discharging his duties as and when required by the Vice Chancellor.
- (4) The Pro Vice-Chancellor shall get honorarium of such amount as may be determined by the sponsoring body.

16. Director(s)/Principal(s):

The Director/Principal shall be appointed in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.

42

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

17. Registrar:

- (1) The Registrar shall be appointed by the Chairperson of the SponsoringBody in such manner, as may be specified in the Statutes. The Registrar shall possess the qualifications prescribed by the University Grants Commission.
- (2) The Registrar shall have the power to enter into agreements, sign documents and authenticate records on behalf of the University and shall exercise such other power and perform such other functions as may be prescribed.
- (3) The Registrar shall be the ex officio Member Secretary of the Executive Council and the Academic Council but shall not have a right to vote.

18. The Chief Finance and Accounts Officer:

- (1) The appointment of the Chief Finance and Accounts Officer shall be made by the Chairperson of the Sponsoring Body in such manner as may be specified by the

Statutes.

(2) The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise such powers and perform such

duties as may be specified by the Statutes.

19. The Controller of Examinations:

(1) The Controller of Examinations shall be whole time officer of the university and shall

be appointed by the Chancellor in accordance with the Statutes.

(2) it shall be the duty of the Controller of Examinations:

(a) to conduct examinations in a disciplined and efficient manner;

(b) to arrange for the setting of question papers with strict regards to secrecy;

(c) to arrange for the evaluation of answer sheets in accordance with the planned time



schedule for results;

- (d) to constantly review the system of examinations in order to enhance the level of

impartiality and objectivity with a view to make it better instrument for assessing the

attainments of students;

- (e) to deal with any other matter connected with examinations which may, from time to

time be assigned to him by the Vice Chancellor.

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 43

20. Other Officers: Manner of appointment and power and duties of the other officers of the University including the Dean of Students Welfare, Dean of faculty, and Chief Proctor shall be such as may be prescribed.

21. Authorities of the University:

The following shall be the authorities of the University:

- (a) The Governing Body
- (b) The Board of Management
- (c) The Academic Council
- (d) The Finance Committee
- (e) The Planning Board
- (f) Such other authorities as may be declared by the Statutes to be the authorities of the University.

22. The Governing Body:

- (1) The Governing Body shall have the following members, namely:

- (a) the Chancellor;
- (b) the Vice-Chancellor;
- (c) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or his nominee;
- (d) five persons nominated by the sponsoring body, out of which two shall be eminent educationists;
- (e) one expert of management or technology from outside the university, nominated by the Chancellor; and
- (f) one expert of finance, nominated by the Chancellor.

- (2) The Governing Body shall be the supreme authority and principal governing body of

the University. It shall have the following powers, namely:

- (a) to provide general superintendence and directions and to control the functioning

of the university by using all such powers as are provided by this Act, Statutes,

Ordinances, Regulations or Rules;

44

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

(b) to review the decisions of other authorities of the university in case they are not

in conformity with the provisions of Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules;

(c) to approve the budget and annual report of the university;

(d) to lay down the extensive policies to be followed by the university;

(e) to recommend to the sponsoring body for the dissolution of the university if a

situation arises when there is no smooth functioning of the university in spite of best efforts; and

(f) such other powers as may be specified by the Statutes.

(3) The Governing Body shall meet at least three times in a calendar year.

(4) The quorum of the meeting shall be four;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and

Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be

present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/

instructions are to be taken.

23. The Board of Management.

(1) The Board of Management shall consist of the following members, namely:

(a) the Vice-Chancellor;

(b) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand or his nominee;

(c) two members of the Governing Body, nominated by the sponsoring body;

(d) three persons, who are not the members of the Governing Body, nominated by

the sponsoring body;

(e) three persons, from amongst the teachers, nominated by the sponsoring body;

(f) two teachers, nominated by the Vice Chancellor.

(2) The Vice Chancellor shall be the Chairperson of the Board of Management.

(3) The powers and functions of the Board of Management shall be such as may be

specified by the Statutes.

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 45

- (4) The quorum for the meeting of the Board of Management shall be five;
 Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be
 present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/
 instructions are to be taken.

24. The Academic Council.

- (1) The Academic Council shall consist of the Vice Chancellor and such members as may
 be specified by the Statutes.
 (2) The Vice-Chancellor shall be the Chairperson of the Academic Council.
 (3) The Academic Council shall be the principal academic body of the university and shall,
 subject to the provisions of this Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules, coordinate and exercise general supervision over the academic policies of the university.
 (4) The quorum for meetings of the Academic Council shall be such as may be specified by
 the Statutes.

25. The Finance Committee.

- (1) The Finance Committee shall be the principal financial body of the University to take
 care of the financial matters.
 (2) The constitution, powers and functions of the Finance Committee shall be such as may
 be prescribed

26. The Planning Board.

- (1) The Planning Board shall be the principal planning body of the University and shall ensure that the infrastructure and academic support system meets the norms of the University Grants Commission or the respective Councils.
 (2) The constitution of the planning board, term of office of its members and its power and
 functions shall be such as may be prescribed.

27. Other Authorities.

The constitution, powers and functions of other authorities of the University, shall be
 such as may be prescribed.

28. Disqualification for membership of an authority or body.

A person shall be disqualified from being a member of any of the authorities or bodies of the university, if he/she:

- (a) is of unsound mind and stands so declared by a competent court;
- (b) is an undischarged insolvent;
- (c) has been convicted of any offence involving moral turpitude;
- (d) has been punished for indulging or in promoting unfair practice in the conduct of any examination, in any form, anywhere.

29. Vacancies not to invalidate the constitution of, or the proceedings of any authority or body of university.

No act or proceedings of any authority of the University shall be invalid merely by reason of any vacancy in or defect in the constitution of any authority or body of the University.

30. Constitution of Committees.

The authorities of the University may constitute such committee with such terms of reference as may be necessary for specific tasks to be performed shall be such as may be prescribed by the Statutes.

STATUTES, ORDINANCE AND REGULATIONS

31. First Statute.

(1) Subject to the provisions of this Act, and the rules made thereunder, the First Statutes may provide for all or any of the following matters, namely:

- (a) the constitution, powers and functions of the authorities and other bodies of the University as may be constituted from time to time;
- (b) the terms and conditions of appointment of the Chancellor, the Vice Chancellor and their powers and functions;
- (c) the manner and terms and conditions of appointment of the Registrar and Chief Finance and Accounts Officer, their powers and functions;
- (d) the manner and terms and conditions of appointment of other officers and teachers and their powers and functions;
- (e) the terms and conditions of service of employees of the University;

झारखंड गजट (असाधारण) गु-वार, 20 जुलाई, 2017 47

(f) the procedure for arbitration in cases of disputes between employees or students and

the University;

- (g) the conferment of honorary degrees;
- (h) the provisions regarding exemption from payment of tuition fee and awarding scholarships and fellowships to the students;
- (i) framing of policy for admission, including regulation of reservation of seats; and
- (j) fees to be charged from students.

(2) The First Statutes of the University shall be made by the Governing Body and shall be

submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the First Statutes, submitted by the University and

shall approve it within sixty days from the date of its receipt, with or without modifications as it may deem necessary.

- (4) The University shall communicate its agreement to the First Statutes as approved by the State Government, and if it desires not to give effect to any or all the modifications made by the State Government under sub-section (3), it may give reasons therefore and after considering such reason, the State Government may or may not accept the suggestions made by the University.
- (5) The State Government shall publish the First Statutes, as finally approved by it, in the publication.

32. Subsequent Statutes.

- (1) Subject to the provisions of this Act and the rules made thereafter, the subsequent Statutes of the University may provide for all or any of the following matters, namely :-
- Creation of new authorities of the University;
 - Accounting policy and financial procedure;
 - Representation of teachers in the authorities of the University;
 - Creation of new departments and abolition or restructuring of existing departments;
 - Institution of medals and prizes;
 - Procedure for creation and abolition of posts;
- 48 झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20
जुलाई, 2017 (g) Revision of fees;
- Alteration of the number of seats in different disciplines; and
 - All other matters which by or under the provision of this Act required to be prescribed by the Statutes.

- (2) The Statutes of the University other than the First Statutes shall be made by the Board of Management with the approval of the Governing Body.
- (3) The Statutes made under sub-section (2) shall be submitted to the State Government and it may approve or, if considers necessary, give suggestions for modification as far as possible within two months from the date of receipt of the Statutes.
- (4) The Governing Body shall consider the modifications suggested by the State Government and return the Statutes to it with its agreement to such changes or with its comments on the suggestions made by the State Government.
- (5) The State Government shall consider the comments of the Government Body and may approve the Statutes with or without modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

33. First Ordinance.

(1) Subject to the provisions of this Act, the rules and the Statutes made thereunder, the First Ordinances may provide for all or any of the following matter, namely :-

- (a) The admission of students to the University and their enrolment as such;
- (b) The courses of study to be laid down for degrees, diplomas and certificates of the University;
- (c) The award of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions, the minimum qualifications for the same;
- (d) The conditions for award of fellowships, scholarships, stipends, medals and prizes;
- (e) The conduct of examinations, including the terms of office and manner of appointment and the duties of examining bodies examiners and moderators;
- (f) Fees to be charged for the various courses examinations, degrees or diplomas of the University;
- (g) The conditions of residence of the students of the University;

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 49

- (h) Provision regarding disciplinary action against the students;
- (i) The creation, composition and functions of any other body which is considered necessary for improving the academic life of the University;
- (j) The manner of co-operation and collaboration with other Universities and institutions of higher education;
- (k) Such other matters which are required to be provided by the Ordinances by or under this Act.

(2) The First Ordinances of University shall be made by the Chancellor which after being approved by the Board of Management, shall be submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the First Ordinance submitted by the Chancellor under sub-section (2) within sixty days from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(4) The Chancellor shall either modify the Ordinances incorporating the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the First Ordinances along with such reasons, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Chancellor and may approve the First Ordinances of the University with or without such modifications and it shall be published by the State Government in the Official Gazette, and it shall come into force from the date of such publication.

34. Subsequent Ordinances.

(1) All Ordinances other than the First Ordinances shall be made by the Academic Council which after being approved by the Governing Body shall be submitted to the State Government for its approval.

(2) The State Government shall consider the Ordinances submitted by the Academic Council under sub-section (1) as far as possible within two months from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(3) The Academic Council shall either modify the Ordinances incorporation the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the Ordinances along with reason, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Academic Council and may approve the Ordinances with or without

50

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

35. Regulations.

The authorities of the University may, subject to the prior approval of the Governing Body make Regulation, consistent with this Act, the Statutes and the Ordinances made thereunder, for the conduct of business of the each such authority and committee constituted by each such authority.

36. Powers of State Government to give directions.

(1) The State Government may, for the purpose of ascertaining the standards of teaching, examination and research or any other matter relating to the University, cause an assessment to be made in such manner as may be prescribed, by such person or persons as it may deem fit.

(2) The State Government shall communicate its recommendations to the University on the basis of such assessment for corrective action. The University may adopt such corrective measures and make efforts so as to ensure the compliance of the recommendations.

(3) The State Government may give such directions as it may deem fit if the University fails to comply with the recommendation made under sub-section(2) within a reasonable time. The directions given by the State Government shall be immediately complied by the University.

FUNDS OF UNIVERSITY

37. Endowment Fund.

(1) The sponsoring body shall establish an Endowment Fund for the university with an amount specified in the Letter of Intent.

(2) The Endowment Fund shall be used as security deposit to ensure that the university complies with the provisions of this Act and functions as per the provisions of this Act, the Statutes and the Ordinances. The State Government shall have the power to forfeit, a part or whole of the Endowment Fund in case the university or the sponsoring body contravenes the provisions of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules made there under.

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 51

(3) The university may utilize the income from the Endowment Fund for the development

of infrastructure of the university and not to meet the recurring expenditure of the university.

(4) The amount of Endowment Fund shall be invested in such instruments as the

Government may prescribe and kept invested until the dissolution of the university.

- (5) In case of investment in long term security, the certificates of the securities shall be kept

in the safe custody of the Government and in case of deposit in the interest bearing Personal Deposit account in the Government Treasury, deposit shall be made with the

condition that the amount shall not be withdrawn without the permission of the Government.

38. General Fund.

- (1) The university shall establish a fund, which shall be called the General Fund to which the following shall be credited, namely:

- (a) Fees and other charges received by the university;
- (b) Any contribution made by the sponsoring body;
- (c) Any income received from consultancy and other work undertaken by the university in pursuance of its objective;
- (d) Trusts, bequests, donations, endowments and any other grants; and
- (e) All other sums received by the university.

- (2) The General Fund shall be utilized for the following objects, namely:

- (a) For the repayment of debts including interest charges thereto incurred by the university for the purposes of this Act and the Statutes, the Ordinances, the Regulations, and the Rules made there under with the prior approval of the Governing Body;
- (b) To upkeep the assets of the university;
- (c) For the payment of the fee for audit of the funds created under sections 7 and 8;
- (d) To meet with the expenses of any suit or proceedings by or against the university;
- (e) For the payment of salaries, allowances, provident fund contributions, gratuity and other benefits to officers, employees, and members of the teaching and research staff;

52

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

- (f) For the payment of travelling and other allowances of the members of the Governing Body, the Executive Council, the Academic Council, other authorities and the members of any committee appointed by any of the authority or the Chairperson of the sponsoring body or the Chancellor;

- (g) For the payment of fellowships, freeships, scholarships, assistantships and other awards to the students belonging to economically weaker sections of the society or research associates, trainees or, as the case may be, in any student otherwise eligible for

such awards under the Statutes, the Ordinances, the Regulations or the Rules;

- (h) For the payment of any expenses incurred by the university in carrying out the provisions of Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the Rules;
- (i) for the payment of cost of capital, not exceeding the prime lending rate from time to time of the State Bank of India, incurred by the sponsoring body for setting up the university and the investments made therefore;
- (j) for the payment of charges and expenditure relating to the consultancy work undertaken by the university in pursuance of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules;
- (k) for the payment of any other expenses including service fee payable to any organization charged with the responsibility of providing any specific service, including the managerial services to the university, on behalf of the sponsoring body, as approved by the Governing Body to be an expense for the purposes of the university;

Provided that no expenditure shall be incurred by the university in excess of the limits for total recurring expenditure and total non-recurring expenditure for the year, as may be fixed by the Governing Body, without prior approval of the Governing Body.

ACCOUNTS, AUDIT AND ANNUAL REPORT

39. Annual Report.

The Annual Report of the University shall be prepared by the University which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfillment of its objects and shall be submitted to the State Government.

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 53

40. Audit and Annual Accounts.

(1) The annual accounts including balance sheet of the University shall be prepared by the University and the annual accounts shall be audited at least once in every year by the auditors appointed by the University for this purpose and the balance sheet shall be checked/verified by the auditor appointment by the State Government.

(2) A copy of the annual accounts together with the audit report shall be submitted to the State Government.

WINDING UP OF UNIVERSITY

41. Winding up of University.

(1) If the sponsoring body proposes to dissolve itself according to the provisions of law governing its constitution or incorporation; it shall give at least six months prior notice to the State Government.

(2) The State Government shall, on receipt of such notice make such arrangements as may be necessary, for the administration of the University from the date of dissolution of the sponsoring body till the completion of syllabus by the

last batch of students admitted to the University and may also cause the functioning of the University to continue by appointing an administrator in place of the sponsoring body, who shall be entrusted with the powers, duties and functions of the Sponsoring body, duties and functions of the Sponsoring Body as prescribed under this Act.

42. Dissolution of University.

(1) The Sponsoring Body who intends to dissolve the University shall give a notice to that effect in the prescribed manner to the State Government. The State Government, after due consideration, may dissolve the University in the manner as may be prescribed;

Provided that the dissolution of the University shall have effect only after the last batches of students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or, as the case may be, awards.

(2) On the dissolution of the University all the assets and liabilities of the University shall vest in the Sponsoring Body in the manner as may be prescribed.

(3) Where the State Government decides under sub-section (1) to dissolve the University, it may vest the powers of the Governing Body in the prescribed manner to other societies

54

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017

having similar objects till the dissolution of the University takes effect under the proviso to sub-section (1).

43. Special powers of State Government under certain circumstances.

(1) Where the State Government is of the opinion that the University has contravened any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or has violated any of the direction issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement or maladministration has arisen in the University, it shall issue the notice requiring the University to show cause within forty-five days as to why an administrator be not appointed.

(2) On receipt of reply of the University on the notice issued under sub section (1), if the State Government is satisfied that there is a prima facie case of contravention of any of the provision of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or violation of directions issued by it under this Act or there is financial mismanagement or maladministration, it shall make an order of such inquiry as it may consider necessary.

(3) The State Government shall, for the purposes of any such inquiry under sub-section (2), appoint an inquiry officer or officers to inquire into any of the allegations and to make report thereon.

(4) The inquiry officer or officers appointed under sub-section (3) shall have the same powers as are vested in a Civil Court under the Code of Civil Procedure, 1908 while trying a suit in respect of the following matters, namely :-

(a) Summoning and enforcing the attendance of any person and

examining him on

oath;

(b)

Requiring the discovery and production of any such document or any other material as may be predicable in evidence;

(c) Requisitioning any public record from any court or office.

(5) On receipt of the inquiry report from the officer or officers appointed under sub-section(3), if the State Government is satisfied that the University has contravened all or any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or has violated any of the directions issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement and maladministration has arisen in the University which threatens the academic standard of the University, it may appoint an administrator.

(6) The administrator appointed under sub-section (5) shall exercise all the powers and perform all the duties of the Governing Body and the Board of Management under this Act and shall administer the affairs of the University until the last batch of the students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded with degrees, diplomas or, as the case may be, awards.

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017 55

(7) After having been awarded the degrees, diplomas or, as the case may be, to the last batches of the students of the regular courses, the administrator shall make a report to that effect to the State Government.

(8) On receipt of the report under sub-section (7), the State Government shall dissolve the University and on dissolution of the University, all the assets and liabilities of the University shall vest in the sponsoring body.

MISCELLANEOUS

44. Power of the State Government to make Rules.

(1) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.

(2) All rules made under this section shall be laid for not less than thirty days before the State Legislature as soon as may be after they are made and shall be subject to rescission by the State Legislature or to such modification as the State Legislature or to such modification as the State Legislature may make during the session in which they are so laid or the session immediately following.

45. Completion of courses of students.

Notwithstanding anything contained in this Act or the Regulations, any student of the constituent colleges or institutions of the University specified in the Schedule and affiliated to any University who immediately before the commencement of this Act was studying or was eligible for any examination of that University shall be permitted to complete his course in preparation therefore, and the University shall provide for the instruction, teaching, training and examination of such students, in accordance with the courses of studies of the respective University in such manner and for such period as may be prescribed.

46. Power to remove difficulties.

- (1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the State Government may, by order published in the Official Gazette, make provisions not inconsistent with the provisions of the provisions of this Act, as appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty.

Provided that no notification order under sub section (1) shall be made after the expiration of a period of three years from the commencement of this Act.

- (2) Every order made under this section shall, as soon as may be after it is made, be laid before the State Legislature.

56

झारखंडगजट(असाधारण)गु-वार, 20 जुलाई, 2017



SCHEDULE A

(1) Acquire not less than 10 acres of land for its main Campus, if single-domain, and 25 acres of land, if multi-domain within two years after starting the functioning of the university. An integrated campus may have certain facilities in common such as auditorium, cafeteria, hostels, etc. and hence the land requirement may vary accordingly.

(2) Construct administrative building of at least 1000 sq. mtrs., academic building including library, lecture theatres, laboratories of at least 10000 sq. mtrs., adequate residential accommodations for teachers, guest houses, hostels which shall gradually be increased to accommodate at least 25% of the total student strength in each course within 3 years of its coming into existence. In case the University is conducting professional programmes of study, prevailing norms and standards of respective statutory body shall be applicable. Existing institutes must undertake expansion/renovation/restructuring to meet the prescribed norms of the State Government.

झारखंड रा;यपाल के आदेश से,

%वास कुमार (संह,

धान स1चव-सह-4व1ध परामशz

4व1ध 4वभाग, झारखंड, राँची।

झारखंड राजक@य मुणालय, राँची वारा काशत एवं मु<त
झारखंड गजट (असाधारणअसाधारण)) 504--50